प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

www.mahikihunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

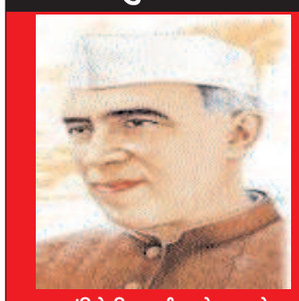

शांति के बिना सभी सपने गायब हो जाते हैं और राख में मिल जाते हैं...
-पंडित जवाहरलाल नेहरू

वर्ष-06, अंक-27 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 28 मार्च 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

भारी कर्ज में म.प्र. की सरकार, मंत्रियों को चाहिए नई इनोवा कार

भोपाल।

हजारों करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार के मंत्री अब नई कारों की फरमाइश कर रहे हैं। खबरें हैं कि, स्टेट गैरेज को 30 से ज्यादा नई कारों की रिक्वेस्ट पहुंची है। खास बात है कि, नवंबर में ही राज्य में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है और मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया है। आंकड़े बताते हैं कि, इससे पहले ही राज्य 3.5 लाख करोड़ रुपए के कर्ज में था।

प्रेस से बातचीत में एमपी स्टेट गैरेज के अधीक्षक आदित्य कुमार रिछारिया ने बताया है कि, मंत्रियों ने नई कारों की मांग की है। इस संबंध में मंजूरी के लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भी भेज दिया गया है। स्टेट गैरेज ने कम से कम 31 नई इनोवा क्रिस्टा कारों की मांग को आगे बढ़ाया है। इनमें से 28 कारें प्रत्येक मंत्री और एक-एक दोनों उपमुख्यमंत्रियों को दी जानी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा बेड़े में जो कारें शामिल हैं, उन्हें 2022-23 में ही खरीदा गया है। अधिकारियों ने बताया है कि, वे बमुश्किल 10 हजार से 20 हजार किमी ही चली हैं। अब कहा जा रहा है कि नई कारें खरीदने का खर्च 11 करोड़ रुपए आ सकता है।

कर्ज का गणित

रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में जब राज्य में नई सरकार आई, तो पहले ही 3.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था। सरकार ने औसतन 3 हजार 500 करोड़ रुपए प्रति माह से कर्ज लिया है। इधर, 20 मार्च को ही राज्य सरकार ने 5 हजार करोड़ के अतिरिक्त लोन के लिए नोटिफिक्रेशन जारी किया है। प्रेस से बातचीत में अधिकारियों ने कहा है कि, नए मंत्री उन्हें मिली कारों से खुश नहीं हैं। वह इसकी वजह बताते हैं कि उन्हें बार-बार राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जाना पड़ता है। एक अधिकारी ने कहा कि, ऐसा कोई नियम नहीं है कि मंत्रियों की कार कब बदली जाएंगी। उन्होंने बताया कि, हिंदुस्तान मोटर्स एम्बेसडर के दौर में आमतौर पर कारें 1.1 लाख किमी के बाद बदल दी जाती थीं, लेकिन नई कारें बेहतर हैं और आसानी से 5 लाख किमी तक चलती हैं।

दो सीटों पर फंसा कांग्रेस का पेंच, अब तक नहीं ढूंढ पाई उम्मीदवार

भोपाल।

लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान होते ही सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। मध्य प्रदेश भी भाजपा और कांग्रेस की तैयारी जोरों पर हैं। यहां 29 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने 22 पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। 6 पर ऐलान किया जाना बाकी है। हालांकि इनमें से दो सीट ऐसी हैं जो इस वक्त कांग्रेस के गले की फांस बनी हुई है। यहां की स्थिति को देखते हुए कांग्रेस को यहां फूक-फूक कर कदम रखना पड़ रहा है। ये दो सीटें हैं विदिशा और गुना जहां से कांग्रेस ने अपने दो दिग्गजों को चुनावी दंगल में उतारा है।

जिन 6 सीटों पर कांग्रेस की और से उम्मीदवारों का ऐलान किया जाना बाकी है उनमें विदिशा, गुना, मुरैना ग्वालियर और दामोह सीट शामिल है। माना जा रहा है कि, उम्मीदवार चुनने के लिए इनमें सबसे ज्यादा मेहनत कांग्रेस को गुना और विदिशा में करनी पड़ रही है। आइए जानते हैं इसकी वजह क्या है

विदिशा में कांग्रेस के लिए क्या मुश्किल...?

दरअसल, विदिशा लोकसभा सीट भाजपा की सबसे सुरक्षित सीटों में से एक

मानी जाती है। इसके ऊपर भाजपा ने इस बार विदिशा से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को मैदान में उतारा है जो खुद यहां से पांच बार विधायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यहां शिवराज सिंह चौहान की काट ढूंढना है। ऐसे में कांग्रेस यहां सोच समझ कर उम्मीदवार का ऐलान करना चाहती है। इसके अलावा कांग्रेस में टूट का सिलसिला भी जारी है। विदिशा से ही कांग्रेस के पूर्व विधायक शशांक भार्गव भाजपा में शामिल हो गए। ये शशांक भार्गव वहीं हैं जिन्होंने 2018 में विदिशा विधानसभा सीट पर भाजपा को उसी के गढ़ में मात दी थी। जानकारों का कहना है कि, कांग्रेस की ओर विदिशा लोकसभा सीट के लिए भी उन्हें ही दावेदार माना जा रहा था लेकिन ऐन वक्त पर उनका भाजपा में शामिल होना कांग्रेस के लिए बहुत बड़ा झटका है।

गुना लोकसभा सीट

गुना में भी कांग्रेस ने अभी तक किसी उम्मीदवार का ऐलान किया है और इसकी वजह कहीं न कहीं दिग्विजय सिंह गुट माना जा रहा है। दरअसल कांग्रेस पहले यहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव को टिकट देना चाहती थीं जबकि उनकी परंपरागच सीट खंडवा है। इस बीच दिग्विजय सिंह गुट ने उनके गुना से चुनाव लड़ने की खबरों पर उन्हें 'बाहरी' करार दे दिया। माना जा रहा है अरुण यादव के गुना से चुनाव लड़ने से दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह के भविष्य के लिए परेशानी पैदा हो जाती। यहीं वजह है कि ऐन वक्त पर अरुण यादव को गुना से टिकट देने के प्लान बदल गया और किसी उम्मीदवार का ऐलान नहीं हो पाया। भाजपा ने इस बार इस सीट से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मौका दिया है।

विश्वास है किसान गुमराह नहीं होंगे- गडकरी

नागपुर, एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति और पूरे दल-बल के साथ नागपुर लोकसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके साथ ही गडकरी ने अपनी परंपरागत लोकसभा सीट नागपुर से चुनावी

ताल भी ठोक दी है। उन्होंने किसान आंदोलन को लेकर खुलकर बात की। गडकरी ने कहा कि, किसान हमेशा से मोदी सरकार के पक्ष में खड़े रहे हैं क्योंकि हमारी सरकार ने हमेशा किसानों के हित में फैसले लिए हैं। गडकरी ने हो रहे किसान को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि किसान गुमराह नहीं होंगे और हमारे साथ कार्य करेंगे।

इससे पहले नामांकन दाखिल के दौरान नितिन गडकरी के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फड़णवीस और अजीत पवार भी मौजूद थे। सभी बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ गडकरी ने संविधान चौक पर शक्ति प्रदर्शन भी किया। संविधान चौक पहुंचने से पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने घर में अपनी आराध्य देवी की पूजा अर्चना की, और बाद में संविधान चौक पर पहुंचकर डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा का माल्यार्पण किया।

गुमराह नहीं होंगे किसान

समाचार एजेंसी से बातचीत में किसानों के विरोध प्रदर्शन से चुनाव पर पड़ने वाले असर पर बयान दिया है। किसानों के विरोध प्रदर्शन पर गडकरी ने कहा कि, किसानों का विरोध राजनीति से प्रेरित है। हमारी सरकार ने हमेशा किसानों के हित में कई फैसले लिए हैं। मुझे विश्वास है कि किसान गुमराह नहीं होंगे और एकजुट होकर हमारे साथ कार्य करेंगे।

नया हेलीकॉप्टर व जेट विमान खरीदना चाहती है मोहन सरकार

भोपाल।

मप्र सरकार जल्द नया हेलिकॉप्टर और जेट विमान खरीदने की तैयारी में हैं। इसके लिए टेंडर की कवायद शुरू कर दी गई है। कंपनियों को हेलिकॉप्टर के लिए 15 दिन, जेट विमान के लिए 25 दिन का समय दिया है। हेलिकॉप्टर और जेट की कीमत करीब 250 से 300 करोड़ रुपए हो सकती है। हेलिकॉप्टर का मसला पहली बार का है, पर जेट विमान खरीदने की प्रक्रिया डेढ़ वर्ष बाद फिर शुरू हुई है। इससे पहले 2022 में भी विमान खरीदने की फाइल चली थी और कीमत 125 करोड़ आंकी गई थी, इस बार कीमत 150 से 200 करोड़ के बीच हो सकती है। हेलिकॉप्टर खरीदी के लिए 12 से 27 मार्च के बीच टेंडर बुलाए गए हैं, जबकि जेट के लिए 7 मार्च से 3 अप्रैल के बीच प्रक्रिया होनी है।

बड़ी शर्तें

हेलिकॉप्टर को लेकर शर्त यह है कि, वह रात में भी टैकऑफ-लैंड कर सके। दो पायलट और आठ से 10 पैसेंजर बैठने की क्षमता हो। बिना ईंधन भरे 540 किमी उड़ सके। पर्यावरण के मानकों के अनुसार उसकी आवाज या शोर नियंत्रित होना चाहिए।वहीं जेट को शर्त यह है कि, रात में भी टैकऑफ-लैंड कर सके।बर्फबारी और बारिश से जुड़ी सुरक्षा प्रणाली हो। दो पायलट और 8 से 10 पैसेंजर बैठने की क्षमता हो।

फोटो 1 क्र 233

आप पार्टी को भाजपा ने दिया डबल झटका

नई दिल्ली

भाजपा ने पंजाब में आम आदमी पार्टी को करारा झटका दिया है। आम आदमी पार्टी के जालंधर के सांसद सुशील कुमार रिंकू भाजपा में शामिल हो गए हैं। उनके अलावा एक विधायक शीतल अंगुराल भी भाजपा में आ गए हैं। इन दोनों नेताओं ने दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ली। दोनों को भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और पंजाब के पार्टी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद थे। पुरी ने कहा, भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। हर क्षेत्र से जुड़े लोग भाजपा जॉइन कर रहे हैं और परिवार का हिस्सा बन रहे हैं। सुशील कुमार रिंकू और शीतल अंगुराल का मैं स्वागत करता हूं।

उन्होंने कहा कि, पंजाब में स्थितियां अब बदल रही हैं। हम सभी मिलकर भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए काम करेंगे। सुशील कुमार रिंक और शीतल से पहले मंगलवार को ही लुधियाना से कांग्रेस के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू भाजपा में आ गए थे। उनके दादा बेअंत सिंह पंजाब के सीएम रहे थे और उनकी कट्टरपंथियों ने हत्या कर दी थी। रवनीत सिंह बिट्टू का भी अपना जनाधार रहा है और वह खालिस्तान के खिलाफमुखर चेहरों में से एक रहे हैं। उनका पार्टी में आना भाजपा के लिए बड़ी ताकत के तौर पर देखा जा रहा है।

क्या भाजपा से मिलेगा टिकट...?

यही नहीं भाजपा में अंदरखाने चर्चा है कि, रवनीत सिंह बिट्टू को लुधियाना से टिकट मिल सकता है। इसके अलावा सुशील कुमार रिंकू भी अब भाजपा के टिकट पर उतर सकते हैं। पंजाब में भाजपा इस बार अकेले ही लोकसभा चुनाव में उतर रही है, उसका अकाली दल के साथ गठबंधन नहीं हो सका है। अब पंजाब में चतुष्कोणीय मुकाबले की स्थिति होगी। इसकी वजह यह है कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में भी पंजाब में गठजोड़ नहीं हो सका है, जबकि दोनों दल इंडिया अलायंस का हिस्सा हैं।

फिर शायद वोट का अधिकार ही न मिले- सत्यपाल मलिक

नई दिल्ली।

बीते कई वर्षों से नरेंद्र मोदी सरकार के तीखे आलोचक सत्यपाल मलिक ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले फिर एक बार निशाना साधा है। उन्होंने देशवासियों के नाम अपील जारी करते हुए सभी से मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है। उन्होंने एक्स (ट्विटर) पर लिखा कि, यदि मोदी सरकार फिर से सत्ता में आई तो आपके बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। यही नहीं उन्होंने कहा कि इस बार यदि आप मौका चूक गए तो फिर आपको कभी वोट का अधिकार ही नहीं मिलेगा। एक बात मैं दांवे के साथ कह रहा हूं कि 2024 में मोदी सरकार अगर दोबारा सत्ता में आई तो आगे आने वाले समय में आपके बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। इसके आगे वह लिखते हैं, सभी देशवासियों से मेरा निवेदन है कि इस बार चुनावों में आप

सभी जाति-धर्म को छोड़कर भाजपा के खिलाफ जाकर उसे बुरी तरह हराने के लिए वोट करें। सत्ता में बैठे लोग देश को खोखला करने में लगे हुए हैं। चंद पूंजीपतियों के हाथों सारा देश लुटवाया जा रहा है। युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। मंहगाई आसमान छू रही है। सरकारी अस्पताल ओर सरकारी स्कूलों को भी मोदी सरकार बंद करने पर तुली हुई है। अगर आप अपने बच्चों का भविष्य अच्छा बनाना चाहते हो, महंगाई से छूटकारा पाना चाहते हो, अच्छे रोजगार चाहते हो, इस देश को बचाना चाहते हो तो इस मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंको।

केजरीवाल टिप्पणी मामले में विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजनयिक को किया तलब

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर टिप्पणी मामले को लेकर विदेश मंत्रालय ने अमेरिका की कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख ग्लोरिया बेर्बेना को तलब किया है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, ग्लोरिया बेर्बेना की करीब 40 मिनट तक विदेश मंत्रालय में मुलाकात चली। समाचार एजेंसी के अनुसार, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका द्वारा की गई टिप्पणी के बाद अमेरिकी दूतावास में कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख ग्लोरिया बेर्बेना को तलब किया गया है। भारत ने अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि, हम भारत में कुछ कानूनी कार्यवाही के बारे में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता की

टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हैं। कूटनीति में राज्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करें। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि, लोकतंत्र के मामले में यह जिम्मेदारी और भी अधिक है। अन्यथा यह अस्वस्थ मिसाल कायम कर सकता है। भारत की कानूनी प्रक्रियाएं एक स्वतंत्र न्यायपालिका पर आधारित हैं, जो उद्देश्यपूर्ण और समय पर परिणामों के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस पर आपत्ति करना सही नहीं है।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली।

सदुरु जग्गी वासुदेव इमरजेंसी ब्रेन सर्जरी के बाद नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल से स्वस्थ होकर रवाना हो गए। यहां 17 मार्च को उनकी आपातकालीन ब्रेन सर्जरी की गई थी। सर्जरी से पहले कुछ हफ्तों तक उन्हें गंभीर सिरदर्द की शिकायत हुई थी। डॉक्टरों के एमआरआई कराने के बाद मालूम हुआ ब्रेन में इंटरनल ब्लीडिंग हो रही है। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इमरजेंसी ब्रेन सर्जरी के बाद ठीक हो चुके सदुरु जग्गी वासुदेव को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। एक दिन पहले सदुरु की हेल्थ को लेकर उनकी संस्था ईशा फाउंडेशन ने एक वीडियो भी जारी किया था। जिसमें वो अस्पताल पर अपने बेड पर आराम करते हुए अखबार पढ़ते दिखाई दिए थे। 19 सेकंड के इस वीडियो में यह बताया गया कि सदुरु अब स्वस्थ हैं। गौरतलब है कि, सिर के अंदर ब्लीडिंग के बाद सदुरु की दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इमरजेंसी के साथ भर्ती किया गया था। फिर ब्रेन सर्जरी की गई। 20 मार्च को अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी, जिन्होंने सदुरु की जांच की, उन्होंने आध्यात्मिक गुरु के स्वास्थ्य पर एक अपडेट जारी करते हुए कहा था कि, सर्जरी के बाद उनकी हालत में सुधार है।

राज्य में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई 60 जगहों पर मारा छापा

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक में एंटी करप्शन एजेंसी लोकायुक्त ने बड़ी कार्रवाई की है। 100 से ज्यादा लोकायुक्त अधिकारी राज्य के 13 जिलों में 60 जगहों पर छापेमारी कर रहे हैं। बेंगलुरु में पांच जगहों पर छापेमारी जारी है। बेंगलुरु में बीबीएमपी के चीफइंजीनियर रंगनाथ के घर पर भी छापा मारा गया है। इसकी जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। छापेमारी की कार्रवाई में अभी तक 6 लाख रुपए की नकदी, 3 किलो सोना, 25 लाख रुपए के हीरे, 5 लाख रुपए की प्राचीन वस्तुएं बरामद की गई हैं। इसके साथ संपत्ति के दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। 100 से अधिक लोकायुक्त अधिकारी बेंगलुरु, बीदर, रामनगर, उत्तर कन्नड़ जिलों सहित 60 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। छापेमारी में 13 पुलिस अधीक्षक (एसपी), 12 पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) और 25 पुलिस निरीक्षक सहित लगभग 130 लोकायुक्त अधिकारी शामिल थे।

बिगड़े बोल' पर चुनाव आयोग सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और भाजपा सांसद दिलीप घोष को भारत निर्वाचन आयोग ने नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने बुधवार को दिलीप घोष को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आपत्तिजनक और सुप्रिया श्रीनेत को भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

कंगना को मिला लोकसभा का टिकट

कंगना रनौत को भाजपा ने हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। कंगना रनौत के चुनाव लड़ने पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कथित सोशल मीडिया हैडल पर एक पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने कंगना को लेकर आपत्तिजनक बात कही थी। बाद में सुप्रिया ने पोस्ट को डिलेट कर दिया था।

चुनाव आयोग से की थी शिकायत

हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत और मंडी पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत व एचएस अहीर की आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर विवाद चल रहा है। मंगलवार को राष्ट्रीय महिला आयोग ने चुनाव आयोग से उनकी आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले में चुनाव आयोग से तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। साथ

ही इसे महिला सम्मान और गरिमा के विरुद्ध बताया था।

ये कहा चुनाव आयोग ने

चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा कि, उनकी टिप्पणियां अशोभनीय और खराब थीं। चुनाव पैनल ने कहा कि प्रथम दृष्टया, दोनों टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता और चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों को गरिमा बनाए रखने की सलाह का उल्लंघन थीं। दोनों को 29 मार्च शाम तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने को कहा गया है।

क्या है कंगना रनौत और सुप्रिया श्रीनेत का विवाद...?

कंगना के विरुद्ध पोस्ट को लेकर हिमाचल प्रदेश भाजपा ने भी चुनाव आयोग से शिकायत की थी। कंगना को लेकर दरअसल पूरा विवाद तब खड़ा हुआ, जब मंडी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना को लेकर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से अभिनेत्री की तस्वीर के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट की गई। इसमें लिखा था, क्या भाव चल रहा है मंडी में कोई बताएगा...? लेकिन विवाद बढ़ते ही सुप्रिया श्रीनेत ने पोस्ट को हटा दिया और सफाई दी कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। बल्कि उनके मेटा (इंस्टाग्राम व फेसबुक) अकाउंट का संचालन करने वाले किसी दूसरे व्यक्ति से यह गड़बड़ी हुई है। वह किसी महिला को लेकर ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट के बारे में सोच भी नहीं सकतीं।

सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना को दिया ये जवाब

उन्होंने कहा कि वह उस पैरोडी अकाउंट के विरुद्ध कार्रवाई करेंगी जो उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा है। सुप्रिया की पोस्ट के जवाब में कंगना ने कहा, एक कलाकार के रूप में अपने करियर के पिछले 20 वर्षों में मैंने हर तरह की महिलाओं का किरदार निभाया है। हमें अपनी बेटियों को पूर्वाग्रहों के बंधन से मुक्त करना चाहिए। हमें उनके शरीर के अंगों के बारे में जिज्ञासा से ऊपर उठना चाहिए। हर महिला गरिमा और सम्मान की हकदार है।

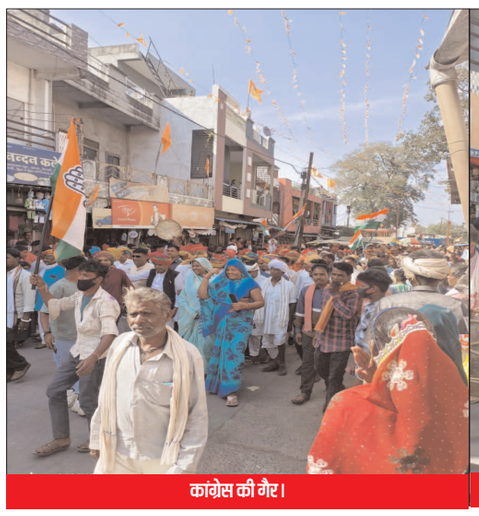
कांग्रेस की गैर।

जयस की गैर।

जनपद पंचायत थांदला सीईओ के नेतृत्व में निकली गैर, मतदातो को किया जागरूक।

खवासा भगोरिया हाट में भाजपा रही गोल, रहा चर्चा का विषय

माही की गूंज, खवासा।

चुनावी समर में छोटी-छोटी बातें भी बड़ा संदेश दे जाती है यह सही है। लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल 15 मार्च से आचार संहिता लगने के साथ बज चुका है। वहीं भाजपा ने अपनी प्रथम लिस्ट में ही रतलाम-झाबुआ, अलीराजपुर संसदीय क्षेत्र के उम्मीद्वार के रूप में वन मंत्री नागर सिंह चौहान की पत्नी अनीता नागर सिंह चौहान को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था। भाजपा के उक्त घोषणा के बाद भले ही खुलकर विरोध सामने नहीं आया पर भाजपा नेता अपनी निष्क्रियता दिखाने के साथ ही अपनी नाराजगी भी सार्वजनिक रूप से दिखा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव की उम्मीद्वारी की रेस में थांदला विधानसभा क्षेत्र के नेता भी अपना प्रतिनिधित्व कर रहे थे। वहीं जहां भगोरिया हाट में बिन बुलाई भीड़ को साधने के लिए राजनीतिक दल बढ़-चढ़कर अपनी गैर निकालकर अपनी सक्रियता दिखाने का प्रयास कर रहे थे। वहीं प्रशासन भी इसी भीड़ को साधते हुए मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए अपनी उपस्थिति हाट बाजारों में गैर निकालकर दिखाई व मतदाताओं से मादल की थाप पर आदिवासी मतदाता के बीच हाथों में तख्तिया लेकर सौ प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई।

खवासा भगोरिया हाट जिला प्रशासन की लिस्ट में भले ही अंकित न हो लेकिन खवासा में शनिवार को यह हाट बाजार लगने का श्रेय अगर जाता है तो वह है तत्कालीन थांदला विधायक कलसिंह भाभर को, जिन्होंने खवासा हाट शनिवार को लगाने व इसे मवेशी हाट के रूप में प्रचलित करने का कार्य कलसिंह भाभर ने ही किया है। इस लोकसभा चुनावी वर्ष में भी शनिवार को भगोरिया हाट में खासी भीड़ एकत्रित हुई और मादल की थाप पर रंग- गुलाल खेलते हुए जमकर उत्साह व खुशी मनाई। पुलिस प्रशासन ने भी अपनी व्यवस्था माकुल बनाई जिसके चलते किसी प्रकार की कोई घटना सामने नहीं आई। इसी कड़ी में थांदला जनपद के नेतृत्व में थांदला सीईओ व क्षेत्र के समस्त सचिव सहायक सचिव आदि कर्मचारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायकों ने भी मतदान प्रतिशत को बढ़ाने हेतु हाथ में तख्ती लिए तथा मादल की थाप के साथ गैर निकाली और सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो के नारे भी लगाए। वहीं जयस व कांग्रेस ने भी गैर निकालकर अपना चुनावी शक्ति प्रदर्शन भी किया। लेकिन भाजपा का न कोई नेता आया न कोई जनप्रतिनिधि और भाजपा की गैर इस लोकसभा चुनावी समर के भगोरिया हाट में नहीं निकाली गई जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

राजनीतिक विश्लेषण करने वाले लोगों का कहना है कि, खवासा में विधानसभा स्तरीय कोई भी नेता या जनप्रतिनिधि भाजपा के नहीं आकर गैर नहीं निकालना अंदरुनी विरोध ही दिखाई दे रहा है। लोकसभा उम्मीद्वार हेतु रतलाम संसदीय सीट हेतु थांदला विधानसभा क्षेत्र से भी जनप्रतिनिधि अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे थे लेकिन अनीता नागरसिंह चौहान को टिकट मिलने से कहीं न कहीं यहां के नेता अपना मौन विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसलिए खवासा में भाजपा ने अपनी गैर नहीं निकाली। जबकि थांदला विधानसभा में जीत-हार का फैसला खवासा क्षेत्र के मतदाता ही करते है। ऐसे में तय है जैसे-जैसे चुनाव समीप आएंगे वैसे-वैसे भाजपा की यह अंदरूनी नाराजकी भी सामने आती जाएगी। देखना यह रहेगा कि क्या भाजपा अपने रूठो को मना पाएगी या नहीं।

कांग्रेस को लगातार झटके, पूर्व विधायक सहित कई नेता भाजपा में शामिल

भोपाल।

नाथ भले ही बीजेपी में शामिल नहीं हुए हों, लेकिन उनके कई करीबी और कई कांग्रेसी नेता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। मंगलवार को भी पूर्व विधायक समेत कई कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल हुए।

विदिशा के पूर्व कांग्रेस विधायक शशांक भार्गव मंगलवार शाम को राज्य पार्टी मुख्यालय में मुख्यमंत्री मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए। भार्गव 2018 में विदिशा विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुने गए थे। वह पहले कांग्रेस विधायक थे जो 1977 के बाद इस सीट से जीते थे, जिसे भाजपा का गढ़ माना जाता है। हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनाव में भार्गव को हार का सामना करना पड़ा।

शिवराज सिंह चौहान हैं मैदान में

भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री चौहान को विदिशा लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है, जिसमें उनका गृह क्षेत्र बुधनी विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि भार्गव के साथ, रायसेन के जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकास शर्मा, विदिशा जिला कांग्रेस के पदाधिकारी सुरेश मोतियानी और विदिशा, रायसेन और नर्मदापुरम के कई अन्य कांग्रेस पदाधिकारी भी पार्टी में शामिल हुए।

यह बोले सीएम

नेताओं का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का परिवार बढ़ रहा है। यादव ने कहा कि ये सभी नेता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भार्गव के साथ विदिशा की पूरी कांग्रेस, पार्टी में शामिल हो गई। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में भाजपा मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी।

अब घी में नहाना चाहती है मोहन सरकार-जीतू पटवारी

इंदौर।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक बार फिर सरकारी कर्ज को लेकर मोहन यादव सरकार पर जमकर जुबानी हमला बोला. अपने ऑफिशियस सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट में पटवारी ने कहा कि कर्ज लेकर घी पीने की पुरानी कहावत पीछे छोड़ते हुए बीजेपी के नुमाइंदे अब घी से नहाना चाहते हैं। वह भी तब जब हर महीने कर्ज लेकर सरकारी गाड़ी सरक रही है.

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मंत्रियों की नई गाड़ियों की डिमांड को लेकर चल रही खबरों का हवाला देते हुए कहा, क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्रियों को केवल 3 माह पहले उपलब्ध कराई गई गाड़ियां पसंद नहीं आ रही हैं? मीडिया रिपोर्ट्स बता रही हैं कि अधिकांश मंत्री स्टेट गैरेज से गाड़ियां पुरानी बताकर, अब नई गाड़ियों की डिमांड कर रहे हैं.।

नई गाड़ी खरीदने को लेकर जीतू पटवारी ने घेरा

जीतू पटवारी ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, मंत्रियों की मांग

के बाद शासन को सभी मंत्रियों के लिए नई गाड़ियां खरीदकर देने का प्रस्ताव भेजा गया है. मंजूरी मिलने के बाद नई गाड़ियों की खरीदी की जा सकेगी. कांग्रेस नेता पटवारी ने आगे कहा, मोहन यादव सरकार के मंत्रियों की शपथ के बाद स्टेट गैरेज के पास 5 नई इनोवा क्रिस्टा आई थीं. ये मंत्रियों को भेजी गई हैं. अब बचे हुए मंत्री भी नई गाड़ियों की डिमांड कर रहे हैं. बीजेपी सरकार में इस समय मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री और 28 कैबिनेट और राज्य मंत्री हैं. माना जा रहा है जून तक नई गाड़ियों को लेकर कोई फैसला हो सकेगा.

यादव सरकार पर जीतू का तंज

प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए जीतू पटवारी ने कहा, कर्ज लेकर घी पीने की पुरानी कहावत पीछे छोड़ते हुए बीजेपी के नुमाइंदे अब घी से नहाना चाहते हैं. वह भी तब जब हर महीने कर्ज लेकर सरकारी गाड़ी सरक रही है. लाडली बहनों को 3000 रुपये प्रतिमाह, गेहूं के लिए 2700 रुपये प्रति क्विंटल, धान समर्थन मूल्य रुपये 3100 प्रति क्विंटल देने से बच रही सरकार खुद की लग्जरी पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है।

जीतू पटवारी ने अंत में लोगों से अपील करते हुए कहा कि, प्रदेशवासियों, आगामी लोकसभा चुनाव में जब मोदी की गारंटी देने वाले नेता वोट मांगने आएं, तो झूठ का हिसाब लेना है. उन्होंने आगे कहा, बस एक ही सवाल बार-बार पूछना है, क्या मध्य प्रदेश में मोदी की गारंटी का कोई मोल नहीं है...?

होली पर बेसहारा बुजुर्ग महिला को दिया गिफ्ट, पुलिस की हो रही सराहना

ग्वालियर

ग्वालियर जिले में एक थाने की पुलिस ने होली पर कुछ अलग किया। थाने के लोगों ने रंग और गुलाल पर खर्च होने वाले पैसे आपस में मिलकर जमा किए और वर्षों से झोपड़ी में गुजर बसर कर रही एक बुजुर्ग महिला के लिए टीन शेड की छत अपने हाथों से बनाकर दिया। पुलिस की ओर से दी गई इस होली गिफ्ट की चर्चा खूब हो रही है। पुलिस की इस पहले से वर्षों से टपकती झोंपड़ी में रह रही बुजुर्ग महिला और उसके नाती खुश नजर आए। बुजुर्ग महिला की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए।

होली का पर्व शांति से संपन्न हो इसलिये ग्वालियर पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने निर्देश दिए थे कि सभी थानों में शांति समिति की बैठकें की जाएं। हस्तिनापुर थाने में भी एक बैठक हुई जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शियाज केएम, एसडीओपी बेहट संतोष कुमार पटेल व थाना प्रभारी राजकुमार राजावत शामिल हुए। शांति समिति की बैठक में थाना प्रभारी ने प्रस्ताव रखा कि थाने पर हर साल होने वाली होली में पुलिस जितने रुपयों के रंग खरीदती है, उस रकम को किसी बेसहारा के कल्याण में खर्च किया जाए।

बैठक में हस्तिनापुर के ग्रामीण भी मौजूद थे। लोगों ने हस्तिनापुर के आदिवासी बस्ती में 80 वर्षीय एक बुजुर्ग विधवा आदिवासी महिला कोमल बाई की बदहाली का जिक्र किया और उसकी मदद करने की बात कही। बुजुर्ग महिला के पति की बीमारी से मौत हो चुकी है। बाद में दोनों बेटे भी गुजर गये। उसके बाद वह नाती पोतों के सहारे एक झोपड़ी में रहकर जीवन गुजार रही है। गांव के लोगों से महिला की बदहाली की कहानी सुन पुलिस अधिकारी बैठक से सीधे मौके पर पहुंचे।

पुलिस अधिकारी महिला के परिवार की दुर्दशा देखकर दुखी हो गए। महिला की स्थिति बहुत दयनीय स्थिति थी। वह जिस झोपड़ी में रह रही थी। वह जगह-जगह टूटी हुई थी। सभी अधिकारी जुटे और अपने हाथों के गैंती फावड़ा लेकर गड्ढे खोदे और पिलर गाड़े। एसडीओपी संतोष पटेल और हस्तिनापुर की पुलिस ने अपने हाथों से टीन शेड लगाया। पुलिस अधिकारियों ने लकड़ी की टटिया बनाकर ग्रीन नेट से उसे सजाया। इस मौके पर गांव के समाज सेवी ऋषभ यादव ने अम्मा के लिए गद्दा, रजाई और कुर्सी दिये। गृह प्रवेश पर थाना प्रभारी ने कन्या भोज भी कराया। हस्तिनापुर थाने से रंगों की फेरी निकाली जिसमें पुलिस के साथ गांव वाले ढोल बाजे के साथ निकले। साथ ही गांव के सरपंच और ग्रामीण भी मौजूद रहे। एसडीओपी बेहट संतोष पटेल ने कहा कि यह पहल छोटी है पर मानवता का रंग दिखाने वाली है।।

भोपाल नवाब परिवार के नादिर रशीद ने किया सुसाइड

भोपाल

भोपाल के फाइव स्टार होटल जेहन-नुमा पैलेस के मुखिया और नवाब परिवार के मेंबर नादिर रशीद ने आज सुबह सुसाइड कर लिया। 72 वर्षीय राशिद ने आज सुबह अपने घर में खुद को गोली मार ली। घटना के बाद उनकी पत्नी सोनिया बिब्बो की तबीयत बिगड़ गई और डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। भोपाल के पुलिस उपायुक्त रियाज इकबाल ने सुसाइड की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा, रशीद ने श्यामला हिल्स इलाके की नादिर कॉलोनी में अपने घर शामला कोठी के शौचालय में खुद को गोली मार ली। सुबह करीब 11 बजे पुलिस को घटना की जानकारी दी।

परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि वह डिप्रेशन में थे और इलाज करा रहे थे। परिवार के एक सदस्य डॉ. मोइज हुसैन ने कहा, ''परिवार के लोग सदमे में हैं। घटना के पीछे क्या वजह रही, इस बारे में हमें कुछ नहीं पता है। सुसाइड के बाद नादिर की पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। सुसाइड की वजह के बारे में अबतक कोई खास वजह सामने नहीं आई है।

गेहूं निकालते वक्त थ्रेशर में घुसा किसान, धड़ अंदर और पैर बाहर

बैतूल।

मध्य प्रदेश के बैतूल में दर्दनाक हादसा हुआ. जहां एक किसान गेहूं की फसल निकालते समय थ्रेशर की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. किसान का आधा शरीर थ्रेशर के अंदर फंस गया था और उसके दोनों पैर बाहर थे. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की. इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया.

यह घटना सारनी थाना क्षेत्र के शोभापुर गांव में सोमवार हुई. 28 साल के राधेश्याम उइके गेहूं की फसल

निकालते समय थ्रेशर मशीन की चपेट में आ गया. पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया है. बताया जा रहा है कि जिस समय यह हादसा हुआ मौके पर उसके परिवार के अन्य लोग भी मौजूद थे. उन्होंने उसे निकालने का प्रयास किया लेकिन राधेश्याम के शरीर का आधा हिस्सा थ्रेशर में बुरी तरह से फंस चुका था और तड़प-तड़प कर उसकी मौत हो गई.

गेहूं निकालते समय थ्रेशर में घुसा किसान

किसान राधेश्याम मजदूरी करता था. गांव में उसकी बाड़ी में बोया था. सोमवार को होली के दिन राधेश्याम पत्नी बबीता और मां मन्ना उइके के साथ थ्रेशर से गेगूं की दावन कर रहा था. राधेश्याम मशीन चला रहा था, पत्नी बबीता थ्रेशर से निकले गेहूं को एकत्र कर रही थी, वहीं मां गेहूं पुल दे ही थी. मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

किसान की दर्दनाक मौत के बाद गांव में पसरा मातम

इस मामले पर जांच अधिकारी आरएस अमरुते ने बताया कि किसान गेहूं की फसल निकल रहा था और उसकी नजर चूक गई जिसके कारण वह थ्रेशर की चपेट में आ गया आधा शरीर थ्रेशर के अंदर चला गया

शराब के नशे में हुआ विवाद, फिर 4 वाहनों को लगा दी आग

सीहोर।

आदिवासी समाज के लोगों ने आपसी में विवाद में आगजनी की वारदात को अंजाम दिया है. आदिवासी समाज के एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के वाहनों को आग के हवाले कर दिया, जिसमें चार वाहन जलकर नष्ट हो गए. जलते हुए वाहनों के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं. दोनो पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है.

मामला सीहोर जिले के रेहटी थाने के तहत आने वाले आमडो गांव का है.बताया जा रहा है कि शराब पीने के बाद आदिवासी समाज के दो पक्ष आमने-सामने आ गए थे. इसके बाद दोनों के बीच संघर्ष हुआ और फिर वहां खड़े चार वाहनों में आग लगा दी गई. इस घटना में ट्रैक्टर, पिकअप, कार

और बाइक पूरी तरह से जलकर खाक हो गए.

इस दौरान किसी ने आगजनी की घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. घटना के दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी. इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला. मामले में रेहटी थाना प्रभारी राजेश कहारे ने आजतक को फोन पर बताया कि आदिवासी समाज के एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के वाहनों को जलाया.

पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर दर्ज किया केस

शराब के नशे में आपसी विवाद की बात सामने आई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज किया है. एक पक्ष की शिकायत पर 6 लोगों पर धारा 323, 294, 506, 433, 147 के तहत मामला दर्ज किया है. वहीं, दूसरे पक्ष की शिकायत पर 1 आरोपी के खिलाफकेस दर्ज किया है.

फिलहाल, यह पता नहीं चल पाया है कि विवाद किस वजह से हुआ था. पुलिस मामले की जांच कर रही है. आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. अभी तक यह पता चला है कि शराब के नशे में दो पक्ष आमने-सामने आ गए थे. इसके बाद एक पक्ष की ओर से दूसरे पक्ष के वाहनों को आग लगा दी गई।

उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई होली

माही की गूंज, खवासा।

अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्रतिष्ठा के पूर्व से ही जो भक्ति का माहौल खवासा में बना था वह आज भी कायम है। बड़ी संख्या में महिला और पुरुषों की प्रभात फेरी भजन कीर्तन के साथ सुबह और शाम निकल रही है और पूरा वातावरण भक्तिमय है। सभी त्योहार उत्साह और उमंग के साथ मनाये जा रहे है। इसी कड़ी में होली और धुलेटी का पर्व भी अनुठी पहल के साथ मनाया गया। धुलेटी की पर पिछले कहीं वर्षो से गैर नहीं निकल रही थी लेकिन इस वर्ष से गैर निकालने की पहल महिलाओं और बच्चों एवं युवा वर्ग ने उत्साह के साथ धुलेटी की गैर निकाली जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हुए।

हनुमान मंदिर पर डीजे के साथ गैर प्रारम्भ हुई जिसमें फाग और भक्तिमय संगीत पर थिरकते हुए बच्चे,बड़े, युवा व बुजुर्ग सभी एक रंग में रंग कर सुखे रंग गुलाल से एक दुसरे को रंग कर होली की शुभकामनाए दे रहै थे। पुरे गाव में इस प्रंकार की होली से लोगो का उत्साह दुगुना हो गया और जो पिछले कई वर्षो से होली नही खेल रहा था वो भी उत्साह के साथ इस गैर में शामिल हुआ। गैर पुनः हनुमान मंदिर पर समाप्त हुई। उसके पश्चात सभी मोहल्लो में भी होली खेली गई। इसके पूर्व होली का दहन शुभ मुहूर्त में रविवार रात्रि 11:15 पर किया गया। मुख्य होली का दहन बस स्टैंड के पास सरपंच प्रतिनिधि शक्कर खराडी के द्वारा पंडित अशोक व्यास द्वारा पूजन अर्चन के बाद किया गया। इसके अलावा पाटीदार मोहल्ला, टोड़ा फलिया, गोपाल कालोनी पर भी होलिका दहन किया गया। शास्त्रों में होलीका की परिक्रमा का विशेष महत्व बताया गया है इसलिए नवजात शिशु को लेकर होलीका की परिक्रमा भी की गई। इसके पश्चात शीतला माता को जल अर्पण करने की परंपरा भी है। 7 दिनों तक शीतला माता को जल अर्पित कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना के साथ सातवें दिन शीतला माता का पूजन एक दिन पूर्व बनाए ठंडें व्यंजनों से किया जाता है।

सेवा भारती के कार्यों में सहभागी बन रहा समाज

माही की गूंज, थांदला।

सेवा भारती द्वारा संचालित सेवा कार्यों में समाज के लोगों द्वारा बढ़-चढ़कर सहयोग किया जा रहा है। जिसमें थांदला क्षेत्र के युवा व्यवसायी आशीष नागर और उनके परिवार ने पिता की दसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर 11 हजार रूपए की सहयोग राशि भेंट की है।

सेवा भारती समिति के जिला सचिव जितेंद्र राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि, सेवा भारती समिति द्वारा झाबुआ जिले में सौ गांवों में कोचिंग, कम्प्यूटर सेंटर, सिलाई सेंटर, मिनी आईटीआई बड़ा घोसलिया में संचालित किया जा रहा है। साथ ही बालक छात्रावास में बच्चों को रहने, खाने-पीने की समुचित व्यवस्थाएं भी प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त जैविक कृषि प्रशिक्षण के लिए घोसलिया स्थित 51 गायों की गौशाला का सफल संचालन सेवा भारती के माध्यम से किया जाता है। इसी प्रकार के कई धार्मिक और सामाजिक सेवा के कई कार्य समाज के सहयोग से संचालित हो रहै है।

रंग पंचमी पर किया जाएगा गल गदेड़ा का भव्य मेला आयोजन

माही की गूंज काकनवानी, नरेश पंचाल।

काकनवानी से 5 किलोमीटर ग्राम चोखवाड़ा के पास बाबा जोहा में विशाल गल गदेड़ा मेला का आयोजन 29 मार्च शुक्रवार को रखा गया है। यह बाबा जोहा ग्राम पलासडोर , डूंगरीपाड़ा एवं चोखवाड़ा इन तीनों गांव की सीमा पर स्थित है। यह बाबा जोहा कभी राजा, महाराजाओं की नगरी हुआ करती थी इस जोहा नामक पहाड़ी पर इसके इतिहास में कहा गया है कि, यहां राजा गधेसिंह नाम का महाराज शासन करता था और इस नगरी का नाम चोखवंती नगरी था इसलिए इस गांव का नाम चौखवाड़ा रखा गया। आज भी इस पहाड़ी पर कई पुरानी ईट के अवशेष खेतों में पड़े मिलते हैं। इस जोहा नामक पहाड़ी पर प्राचीन काल में कई देवी देवताओं की मूर्तियां विराजमान थी जो आज भी यहां पर स्थित है। जिसमें गणेश जी ,हनुमान जी, राम झणी, बाबा देव, काल भैरव, बाबा रामदेव जी, चांद, सूरज, बाबा हेलोन देव, सावन माता, हरदा माता, कामठिया देव, बामणी माता, महाकाली माता, शिवलिंग एवं कई प्राचीन काल के देवी देवताओं की मूर्तियां यहां विराजमान है।

इस पहाड़ी के आसपास सभी खेतों के एवं नगर के रक्षक कामठिया देव थे जो आज भी उनकी मूर्ति स्थापित है। उनकी मूर्ति के नीचे पूर्व की लिपि में लिखा हुआ है जिसे आज तक ना तो कोई पढ़ पाया है और नहीं उसका अनुवाद कर पाया। बताते हैं कि, यह लिखा हुआ जो पढ़ ले और उसका अनुवाद कर ले उसे धन का खजाना मिल सकता है। इस जोहा पहाड़ी पर प्राचीन काल की कई वस्तुएं दबी हुई है जिसमें धन, दौलत, सोना, चांदी, हीरे जवाहरात आदि अनमोल वस्तुएं भी गड़ी हुई है। बताते हैं की कई लोग आकर इस पहाड़ी पर रुके हैं और खुदाई करके बहुत सारी वस्तुएं ले भी गए हैं। इस पहाड़ी पर जहां प्राचीन काल से कई देवी देवता विराजमान है यहां पर ग्राम वासियों ने एकजुट होकर गल गदेड़ा के मेले का आयोजन रखने का निश्चय किया और पूरी पहाड़ी की साफ सफाई कर पूरे गांव के लोग व्यवस्थाओं में जुट गए है। सभी हाट बाजार में जाकर लाउडस्पीकर से भी इस मेले में आए और विराजमान प्राचीन देवी देवताओं के दर्शन कर लाभ लेवे और इस आयोजन को भव्य रूप देकर सफल आयोजन बनाने की अपील कर रहे हैं। इस आयोजन में रंग गुलाल के साथ रंग पंचमी का आयोजन एवं भजन कीर्तन का भी आयोजन रखा गया है। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ो ढोल मादल भी बुलाए गए हैं जो कि अक्सर होली जैसे त्योहारों में भगोरिया में बजते हैं इस मेले का आयोजन बाबा देव संरक्षण समिति द्वारा किया जा रहा है। मेले में अलग-अलग विभिन्न समितियां बनाकर जिम्मेदारियां सौंपी गई है।

ढूंढः राजपुत समाज की अभिनव पहल, बेटा बेटी एक समान

माही की गूंज,झाबुआ।

हमारी संस्कृति एक दर्पण की तरह होती है जिसमें समाज के पूरातन रीति,रिवाजों को सहेज कर रखा जाता है। झाबुआ नगर के राजपुत समाज द्वारा भी होलिकात्सव के अवसर पर जिस प्रथा को सतत कायम रखा गया है उसे ''ढूंढ'' के नाम से जाना जाता है। राजपुत समाज के अलवा भी अन्य कई समाजों में भी ढूंढ प्रथा अभी भी प्रचलित है। इस बारे में राजपुत समाज के उपाध्यक्ष रविराजसिंह राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि, आम तौर पर बच्चे के जन्म होने के बाद पहली होली पर ढूंढ की जाती है। ढूंढ लड़का और लड़की दोनों की एक समान होती है। होली के दूसरे दिन प्रातः समाज के सब लोग इकट्ठे होकर जिसके घर बच्चे का जन्म हुआ है, उसके घर जाते हैं। घर के आंगन में पाटे पर बच्चे का नजदीकी रिश्तेदार बच्चे को गोद में लेकर बैठता है। एक बांस लेकर दो आदमी दोनों सिरों को पकड़ कर खड़े हो जाते हैं। दूसरे सभी आदमियों के हाथों में लकड़िया होती है जिनसे बांस पर हल्की चोट मारते जाते हैं और गीत गाते जाते हैं-हरि हरि रे हरिया दे, जीमणे हाथ सबड़को ले । डावे हाथ चंवर डुला, जिण घर जितरी डिकरियां, उण घर उतरा डीकरा, गेरियों री पूरी आश । और अंत में बांस को हाथों में ऊपर उठाते हुए कामना करते हैं

कि, बच्चा बांस से भी ज्यादा लम्बा बढ़े। बच्चे का बाप ढूंढ करने वालो को एक नारियल तथा गुड़ देता है। यदि प्रथम लड़के या लडकी की ढूंढ है तो खुशी से शीतल पेय भी पिलाते हैं। समाजजनो की ढूंढ पूरी हो जाती है तब सब जगह से इकट्ठे हुए नारियल और गुड़ को मोहल्ले में बांट देते है। प्रचलित प्रथा के अनुसार बच्चे की बुआ ढूंढ के मौके पर ढूंढेकड़ा लाती है जिसमें बच्चे के कपड़े, जेवर तथा खिलौनें लाती है। खर्चा अपनी क्षमता के अनुसार किया जाता है मगर बच्चे का बाप अपनी बहिन जितना खर्चा करती है उससे ज्यादा ही खर्चा करता है। ढूंढेकड़ा लड़का होने पर ले जाया जाता है, लड़की के जन्म होने पर नहीं । किन्तु राजपुत समाज ने लडका लडकी के भेंद-भाव को खत्म करते हुए समाज में ढूंढ बालक एवं बालिका का भेंद नही रखते हुए सभी के साथ मनाने की परम्परा को स्थापित कर दिया है। समाज के अध्यक्ष भेरूसिंह सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि, राजपूत समाज झाबुआ के द्वारा पुरातन परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी जिन परिवारों में मृत्यु हुई वहां जाकर विधि विधान पूर्वक त्योहार पर रंग डालकर मृत्य सूतक था, उसे रंग डालकर समाप्त किया। एवं जिन परिवारों में नए सदस्य के रूप में बेटा या बेटी का जन्म हुआ उन परिवारों में राजपूत समाज की अति प्राचीन प्रथा ढूंढ का निर्वहन किया। जिसमें सिर्फ बेटे के जन्म पर ही यह प्रथा रही, लेकिन समय को देखते हुए राजपूत समाज ने भी बेटे और बेटी के भेद को समाप्त कर बेटी के जन्म पर भी ढूंढ प्रथा प्रारंभ की है।

मतदाता जागरूकता सम्बंधी विमोचित पोस्टर पर भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा ने दर्ज करवाई आपत्ति

माही की गूंज,पेटलावद।

जिला प्रशासन झाबुआ द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढाने के लिए प्रचार-प्रसार हेतु, पोस्टर का विमोचन किया है। जिसको लेकर सामाजिक संगठन भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा ने एसडीएम कार्यालय पेटलावद में, मुख्य निर्वाचन आयोग आयुक्त नई दिल्ली को आपत्ति दर्ज करवाई है। भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा युनिट मध्यप्रदेश के प्रदेश संयोजक धर्मेन्द्र डामोर ने बताया कि, लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता का हम सामाजिक संगठन के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता ओर सदस्य सम्मान करते हैं।

संवैधानिक रूप से ये है आपत्ति

जिला निर्वाचन पदाधिकारी झाबुआ के नाम से निर्मित ओर विमोचित की गई पोस्टर प्रचार सामग्री में , चुनावी काका के नाम से चित्रांकित किया गया चित्र, हमारे भील समुदाय के लोकधर्म, संस्कृति के आराध्य देव मुकुटधारी बाबा बुड़वा-मोटाधणी-बड़ादेव का है।' तथा साथ ही चुनावी काकी के नाम से निर्मित-प्रचारित चित्र हमारी भीली

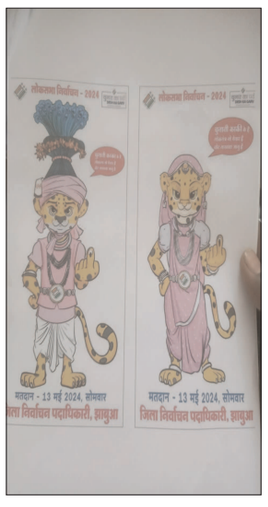

संस्कृति के पहनावे अन्तर्गत भीली महिला का चित्र है। विमोचित-प्रसारित दोनों ही चित्र में जंगली जानवरों के मुख (मुंह) सहित जानवरों के अंगों का समावेश पोस्टर के चित्रों में किया गया है। उक्त दोनों ही निर्मित-विमोचित चित्र पोस्टर सामग्री से हमारे भील समुदाय की महान लोक-संस्कृति का घोर अपमान हुआ है। पश्चिमी भारत स्थित भील सांस्कृतिक क्षेत्र में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों एवं भगोरिया हाटों में मुकुटधारी बाबा बुड़वा -मोटाधणी - बड़ादेव का वेश धारण कर भील युवा ढोल कि औजस्वी सुरीली तान पर बाबा बड़वा को समर्पित भाव से पारम्परिक नृत्य करते है।

विमोचित पोस्टर में जो चित्रांकन हुआ है उसमें भीली लोककला के मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड़ की जाकर उसमें जंगली जानवरों के मुख (मुंह) -अंग आदि जोड़कर, महान भीली लोक संस्कृति का घोर अपमान किया गया है, जो कि भील समुदाय सहित समस्त आदिवासी वर्ग को अस्वीकार है। क्षेत्र में निवासरत सम्पूर्ण आदिवासी वर्ग सहित भील समुदाय जिला झाबुआ से जारी इस पोस्टर से आहत होकर अपमानित हुआ है। उक्त चित्र को डिजाईन करने में शामिल व्यक्ति (अधिकारी -कर्मचारी) पर अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत एट्रोसिटी एक्ट मुकदमा दायर किया जाऐ। ज्ञापन देने में भीलप्रदेश मुक्ति मोर्चा -युनिट मध्यप्रदेश के प्रदेश संयोजक धर्मेन्द्र डामोर, सामाजिक युनिट के जिला प्रभारी संदीप वसुनिया, सामाजिक कार्यकर्ता पवन मैड़ा, गणेश मकवाना, गोलु गरवाल, धनराज मैड़ा, शेखर कटारा आदि उपस्थित रहें।

मतदान के लिए बनाये गए लोगों पर दर्ज कराई आपत्ति, कलेक्टर ने कहा जागरुता के लिए प्रयोग

माही की गूंज , पेटलावद-जिले की नवागत कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा ने बुधवार को लोकसभा की तैयारियों को लेकर पेटलावद क्षेत्र का दौरा किया । इस दौरान जिला कलेक्टर ने रायपुरिया ओर पेटलावद के मतदान केंद्रों का निरक्षण कर जरूरी निर्देश स्थानीय प्रशासन को दिए। कलेक्टर मीणा ने रायपुरिया उपार्जन (अनाज खरीदी) केंद्र पर पहुँच कर व्यवस्था देखी और गेहूं तुलाई के लिए परेशान हो रहे किसानों की समस्याओं का निराकरण करने की बात कही। इस दौरान पेटलावद में भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने मतदाता जागरूकता अभियान के लिए विमोचित पोस्टर के लिए ज्ञापन देकर आपत्ति दर्ज करवाई। कलेक्टर नेहा मीणा ने अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में स्थानीय अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए लोकसभा चुनाव को लेकर चल रही तैयारियों को लेकर जानकारी दी और भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा द्वारा ली गई आपत्ति पर कलेक्टर ने कहा कि, स्थानीय व्यवस्थाओ को देखते हुए शुभांकर तैयार किये जाते है। पूर्व में मेघालय राज्य और आदिवासी क्षेत्रों में भी इस प्रकार के प्रयोग हुए है जो सफल रहे है। अगर किसी को आपत्ति है तो इसको एक बार देख कर सामंजस्य बिठाने की कोशिश की जाएगी।

आस्था पर विश्वास भारी, धधकतें अंगारों पर नंगें पैर चल कर अपनी मन्नत की पूरी

माही की गूंज सारंगी, संजय उपाध्याय। होलिका दहन के बाद रंगों का त्यौहार बड़े ही सादगी पूर्वक मनाया गया। लोगों ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात 5बजे हिंगलाज माता मंदिर पर धधकते अंगारो चुलं पर माता के भक्त नंगे पैर चले। सारंगी में सदियों से धुलेटि के दिन अति प्राचीन दार्शनिक हिंगलाज माता मंदिर औकारेश्वर परिसर में स्थित है। यहां सदियों से चुल पर चलने का कार्य जारी है। इस बार भी सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने मां हिंगलाज माता के मंदिर के आगे बनी 21 फीट लम्बी चुल में धधकतें अंगारों पर नंगें पैर चल कर अपनी मन्नत को पुरा किया। चुल की तैयारी में महाकाल मंदिर समिति और नगर के गणमान्य लोग पुरे दिन से तैयारी में लगे रहते हैं। शाम पांच बजे शुरू होता है चुल में भक्तों के चलने का सिलसिला ओर दो राउंड चल कर भक्त मन्नत पुरी करते है। अपनी मन्नत पुरी होने पर खुशिया मनाते जिसें देखने के लिए आस पास के हजारों की संख्या में ग्रामीणों का हुजूम उमड़ता है। राजस्व विभाग , पुलिस प्रशासन भी अलर्ट रहता है ताकि किसी प्रकार की कोई घटना ना हो सके।

झाबुआ व बासवाड़ा जिला आबकारी अधिकारी की हुई बैठक

माही की गूंज, झाबुआ। सीमावर्ती राज्य राजस्थान ज़िला बांसवाड़ा के ज़िला आबकारी अधिकारी विवेकानंद शर्मा के साथ आबकारी कार्यालय तहसील कुशलगढ़ में बुधवार को मीटिंग आयोजित कर ज़िला झाबुआ के तहसील थांदला की सीमा पर चेक पोस्ट, बॉर्डर और निर्धारित दूरी में स्थित मदिरा दुकानों की जानकारी के साथ ही अवैध मदिरा परिवहन पर नियंत्रण हेतु गठित उड़नदस्ता टीम के मोबाइल नंबर आदि का आदान-प्रदान किया गया है। मतदान से पूर्व संबधित दुकानों को 48 घंटे पूर्व बंद रखे जाने के संबंध में चर्चा की गई।

कलेक्टर द्वारा अंतर जिला चेकपोस्ट कसारबर्डी का निरीक्षण

माही की गूंज,झाबुआ

आगामी लोकसभा निर्वाचन के तहत कलेक्टर नेहा मीना और पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा झाबुआ और धार जिले की सीमा पर स्थित बदनावर और कसारबर्डी के बीच स्थित कसारबर्डी चेकपोस्ट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में लोकसभा निर्वाचन से संबंधित तैयारियों, सीसीटीवी की उपलब्धता और चेकपोस्ट पर ड्यूटी देने वालो दलों के लिए उपलब्ध सुविधा जैसे टेंट, पीने के पानी, रुकने की व्यवस्था का जायजा लेकर मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद अनिल राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद राजेश कुमार दीक्षित, सीएमओ आशा भण्डारी, बीआरसी रेखा गिरी और अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

ग्लोबल वॉर्मिंग की खेत-खलिहानों में दस्तक

यह सच है कि, ग्लोबल वॉर्मिंग ने हमारे खेत-खलिहानों में दस्तक दे दी है। जिस गति से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वह आम आदमी के लिए तो कष्टकारी है ही, किसान के लिए संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका सीधा असर खेतों की उत्पादकता पर पड़ रहा है। जिसके मुकाबले के लिए सुनियोजित तैयारी की जरूरत है। किसानों को उन वैकल्पिक फसलों के बारे में सोचना होगा, जो कम पानी व अधिक ताप के बावजूद बेहतर उत्पादन दे सकें। अन्न उत्पादकों को धरती के तापमान से उत्पन्न खतरों के प्रति सचेत करने की जरूरत है, यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो मान लीजिए कि हम आसन्न संकट की अनदेखी कर रहे हैं। यह मसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मुद्दा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य श्रृंखला से भी जुड़ा है। यानी गाहे-बगाहे इस संकट की जद में देश का हर नागरिक आएगा। दरअसल, दुनिया के तापमान पर निगाह रखने वाली वैश्विक संस्था डब्ल्यूएमओ की वह रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही है जिसमें कहा गया है कि, पिछले एक दशक में पृथ्वी का तापमान कमोबेश औसत तापमान से अधिक ही रहा है। फिक्र की बात यह है कि, इसके मौजूदा वर्ष में और अधिक रहने की आशंका जताई जा रही है। यह वैज्ञानिक सत्य है कि, वैश्विक तापमान में वृद्धि से पूरी दुनिया का मौसम चक्र गहरे तक प्रभावित होता है। देर-सबेर इससे मनुष्य जीवन का हर पहलू प्रभावित होगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते पूरी दुनिया में यह कह पाना कठिन है कि कहां अप्रत्याशित बारिश होगी और कहां कष्टकारी तापमान बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद विकसित देशों की सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत नजर नहीं आती। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि, इस सदी के मध्य तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है। जो मानव जीवन चक्र व फसलों के लिये घातक साबित हो सकता है। यह सर्वविदित है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध नजर नहीं आ रहे हैं। पूरी दुनिया में बड़े राष्ट्र विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी से दोहन करने में लगे हैं। वे इस बात को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं कि आज दुनिया में औद्योगिकीकरण से पहले के समय के मुकाबले विश्व का तापमान निर्धारित सीमा को पार कर चुका है। जो हमारे लिए एक खतरे की घंटी जैसा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हम मौसमी बदलाव के अनुकूल खुद को उसी अनुपात में तेजी से ढाल नहीं पा रहे हैं। दरअसल, हमें मौसम के व्यवहार में तेजी से हो रहे बदलाव के अनुरूप अपनी खेती के पैटर्न में भी बदलाव की जरूरत है। उन परंपरागत फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जो कम बारिश व अधिक तापमान में ठीक-ठाक उपज देने में सक्षम हैं। एक समय भारत में बड़े भू-भाग में हम मोटे अनाज का उत्पादन करते थे, जो कम बारिश में भी बेहतर फसल दे सकता था। लेकिन कालांतर हमने अधिक सिंचाई वाली फसलों का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करना तेजी से शुरू कर दिया। मौसम में बदलाव का असर खाद्यान्न ही नहीं, सब्जियों, फल-फूलों पर भी गहरे तक पड़ रहा है। ऐसे में सिर्फ कागजी कार्रवाई के बजाए धरातल पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को फसलों के नई किस्म के बीज तैयार करने होंगे, जो किसानों को संबल देने के साथ ही हमारी खाद्य सुरक्षा चेन को सुरक्षित बना सकें। साथ ही हमें कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी अंकुश लगाना होगा। हमें मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी नियंत्रण करना होगा क्योंकि भारत चीन के बाद मीथेन उत्सर्जन में दूसरे नंबर पर है। साथ ही पशुधन का संरक्षण भी अनिवार्य होगा। यदि हम अभी भी नहीं जागे तो हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, चक्रवाती तूफान जैसी आपदाओं के लिए तैयार रहना होगा। भारत, जहां देश की आधी आबादी कृषि व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है, उसके लिए यह संकट बड़ा है।

बदलाव जारी रहेगा या फिर टूटेगा रिवाज

-पुष्परंजन

भारत सतर्क रहे मास्को में हुए हमले से

मास्को के क्रॉकस सिटी हाल पर 22 मार्च को भयावह आतंकी हमले के सिलसिले में जिन चार ताजिकों पर कोर्ट ट्रायल चल रहा है, उनकी नागरिकता की ज़िम्मेदारी लेने से ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमान ने पल्ला झाड़ लिया है। ताजिक राष्ट्रपति ने पुतिन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकियों की कोई राष्ट्रीयता नहीं होती। करीब 137 लोगों की हत्या करने वालों के साथ आपको जैसा सुलूक करना हो, करें। जिन चार ताजिकों की तुड़ाई रशियन जांच एजेंसियों ने की है, उन लोगों की पहचान सैदाक्रम राजाबलीजोडा, दलेरजोन मिर्जोव, मुहम्मद सोबिर फैजोव और फरीदुन शम्सिद्दीन के रूप में की गई है। अदालत ने कहा कि बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान चार में से तीन लोगों ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है। रूसी मीडिया रिपोर्टों में 11 गिरफ्तारियां बताई गई थीं। मगर, चार के बाद वो बाकी लोग कौन हैं? यह सवाल अनुत्तरित है। यूक्रेन बार-बार पल्ला झाड़ रहा है कि इस हमले से हमारा कोई लेना-देना नहीं। पुतिन ने इस कांड का पूर्वाभास देने वाले अमेरिका के विरुद्ध अलग से मोर्चा खोल रखा है। खबर यह बन रही है कि यह सब सीआईए का किया-कराया है, जिसके तार यूक्रेन से जुड़े हैं। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है, रूसी इंटेलीजेंस की विफलता। पुतिन इस चूक को मानने से इनकार कर रहे हैं। मगर, पुतिन के विरोधी बोल रहे हैं कि रूसी इंटेलीजेंस के लोगों को केवल सिस्टम की आलोचना करने वालों के पीछे लगा रखा है, इन्हें देश की सुरक्षा से मतलब नहीं। दूसरी ओर ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमान के बयान के बाद उनके देश में ही राजनीति शुरू हो गई है। विपक्षी इस्लामिक रेनेसां पार्टी ऑफ ताजिकिस्तान (आईआरपीटी) के नेता मुहिद्दीन कबीरी ने अपने कुछ नागरिकों को कट्टरपंथी बनाने के लिए इमोमाली रहमान की तानाशाह नीतियों और इस्लाम के विरुद्ध कार्रवाई को जिम्मेदार ठहराया है। 'आईआरपीटी' जो कभी सरकार में सहयोगी थी, अब ताजिकिस्तान में प्रतिबंधित है। रूसी सांसद अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने टेलीग्राम पर लिखा कि कार के अंदर ताजिक पासपोर्ट पाए गए थे, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर संदिग्धों ने मॉस्को से लगभग 340 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ब्रांस्क क्षेत्र में रूसी पुलिस द्वारा पकड़े जाने से पहले किया था। राजाबलीजोडा, वह शख्स है, जिसका कोर्ट ट्रायल हो रहा है। एक वीडियो क्लिप में उसे मॉस्को हमले में भाग लेने

की बात कबूल करते हुए दिखाया गया है। वीडियो फुटेज में रूसी सुरक्षा अधिकारियों को उस शख्स का कान काटते हुए दिखाया गया है। उसके सिर पर पट्टी बंधी हुई और चेहरा और टी-शर्ट खून से लथपथ भी दिखाया गया है। उस व्यक्ति का कहना है कि हमले के स्थान से भागते समय उसने और उसके अन्य साथियों ने अपने हथियार सड़क पर कहीं छोड़ दिए थे। ताजिक लहजे में रूसी बोलते हुए, एक और शख्स फरीदुन शम्सिद्दीन वीडियो फुटेज में कह रहा है कि अंधाधुंध गोलियां बरसाने के लिए उसे एक मिलियन रूबेल देने की पेशकश की गई थी। ऐसे वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि भी एक अलग चुनौती है। संदिग्धों में 19 वर्षीय मुहम्मद सोबिर फैजोव भी शामिल है, जो ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे का रहने वाला है। फैजोव कथित तौर पर गिरफ्तारी से पहले घायल हो गया था, जिसका ब्रांस्क अस्पताल में इलाज किया गया है। रूसी मीडिया की रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्लिप्स ने प्रवासी ताजिक नागरिकों पर शामत ला दी है। रूस, सेंट्रल एशियाई देशों के लाखों श्रमिकों के लिए घर जैसा है। रूस में 18 से 20 लाख के लगभग ताजिक मूल के लोग हैं। वहां क्रॉकस सिटी हाल हत्याकांड से लोग इतने आहत और गुस्से में हैं कि ताजिक विरोधी दंगे भी कई जगहों पर देखने को मिल रहे हैं। सुदूर पूर्वी शहर ब्लागोवेशचेंस्क में ताजिक प्रवासियों द्वारा चलाए जा रहे एक कैफेटेरिया में आग लगा दी गई, जबकि पश्चिमी रूसी शहर कलुगा में कथित तौर पर तीन ताजिकों को पीटा गया। कई रूसी शहरों में ड्राइवर ताजिक होने का पता लगते ही टैक्सी सेवा के ग्राहक कथित तौर पर अपना ऑर्डर रद्द करने लगे। ताजिक के शक में सेंट्रल एशियाइयों के विरुद्ध भी कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं देखने को मिलने लगी हैं। गत 23 मार्च को मॉस्को के शेरेमेतयेवो हवाई अड्डे पर दर्जनों किर्गिज पुरुषों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगभग 24 घंटों तक कोई भोजन या पानी नहीं मिला है, और महिलाओं और बच्चों को किर्गिस्तान की उड़ानों में वापस भेज दिया गया है। सेंट्रल एशिया में अवस्थित ताजिकिस्तान पहले सोवियत संघ का हिस्सा था जिसके विघटन के बाद 1991 में एक स्वतंत्र देश बना। 1992 से 1997 के कालखंड में गृहयुद्धों की मार झेल चुके इस देश की कूटनीतिक-भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। यह उजबेकिस्तान, अफगानिस्तान, किर्गिजस्तान तथा चीन के मध्य स्थित है। उत्तरी पाकिस्तान का पतला-सा वाखान गलियारा भी इसे जोड़ता है। ताजिकिस्तान की भाषा ताजिक फारसी का ही एक रूप है। 1 करोड़ 28 लाख की आबादी वाला ताजिकिस्तान पूर्व सोवियत गणराज्यों में सबसे अधिक ग़रीब देश है। भ्रष्टाचार और राजनीतिक दमन के लिए जाना जाने वाला यह देश, 1994 से राष्ट्रपति इमोमाली रहमान के कठोर शासन की गिरफ्त में है। अनुमान है कि रूस में 18 से 20 लाख से ताजिक मूल के लोग रहते हैं, उनमें से अधिकांश अधोसंरचना, इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन जैसे असंगठित क्षेत्रों में लेबर हैं, या फिर सार्वजनिक शौचालयों की सफाई जैसी नौकरियां करते हैं। रूस की घटती जनसंख्या ने ऐसे श्रमिकों पर निर्भरता बढ़ा दी है। बावजूद इसके, सेंट्रल एशिया और काकेशस क्षेत्र के मूल निवासियों के प्रति रूसियों का रवैया आम तौर पर नकारात्मक है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे मैक्सिकन लोगों के बारे में अमेरिकी सोच है। 2015 में डोनाल्ड ट्रम्प ने बोल भी दिया था, ÷वे मैक्सिको से ड्रग्स ला रहे हैं। अपराध ला रहे हैं।÷ खुरासान एक समय फारसी साम्राज्य का हिस्सा हुआ करता था, जो अब ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशियाई मुल्कों में विभाजित है। इसी खुरासान के हवाले से आइसिस से संबद्ध रहा आतंकी संगठन 'आईएसआईएस-के' का जन्म हुआ। सीरिया युद्ध के समय दुनिया को बताया गया कि इनका सफाया कर दिया जा चुका है। मगर, यह एक धोखा था। अब ये एक ऐसे आतंकी हैं, जो पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान, सेंट्रल एशिया और दुनिया के मुख़्तलिफ़हिस्सों में पसर चुके हैं। इनके हमलों की कहानियां भयानक हैं। विभिन्न सरकारें और एजेंसियां इनका दुरुपयोग करने में लगी हैं। क्या भारत को आइसिस-खुरासान से सतर्क रहने की ज़रूरत नहीं?

भारत का सियासी दारोमदार मध्यम वर्ग के कंधों पर

-डॉ. हिदायत अहमद खान

इंडियन इकोनॉमी को हाई जम्प कराने में मध्यम वर्ग का योगदान किसी भी तरह से कम नहीं आंका जा सकता है। अब जबकि दुनिया अत्याधुनिक काल में प्रवेश कर चुकी है तो मिडिल क्लास की जिम्मेदारियां और ज्यादा बढ़ गई हैं। इसके चलते भारतीय मध्य वर्ग पर विदेशी इकोनॉमिस्ट भी नजरें जमाए हुए हैं। खास बात यह है कि विदेशी रणनीतिकार भी नीति बनाते समय इन पर फोकस करना नहीं भूलते हैं। इसे देखते हुए ही कहा जा रहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 पिछले चुनावों की तरह जाति और धर्म पर केंद्रित न होकर मिडिल क्लास पर केंद्रित होगा, लेकिन फिलहाल ऐसा होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। वैसे भी राजनीतिक पार्टियों के घोषणा-पत्रों से मिडिल क्लास को ज्यादा उम्मीद नहीं होती है और होना भी नहीं चाहिए, क्योंकि चुनाव जीतने और सरकार में आने के बाद वही वादे चुनावी जुमलेबाजी में तब्दील हो जाते हैं। मध्यम वर्ग के पाले में तो चुनाव से पहले और चुनाव के बाद संघर्ष ही आता है। इससे यह नहीं मान लेना चाहिए कि मध्य वर्ग की ताकत घटी है या संख्याबल में कमी आई है, बल्कि महज वोट बैंक के तौर पर ही नहीं बल्कि हर मामले में मध्यम वर्ग की ताकत बढ़ रही है। पिछले दिनों प्राइस आईसीई की जारी रिपोर्ट पर नजर दौड़ाएं तो पाएंगे कि भारत की कुल जनसंख्या का 31 फीसदी तो मध्यम वर्ग के दायरे में आने वाली जनता ही है। एक अनुमान के मुताबिक साल 2047 तक यही आंकड़ा बढ़कर 60 फीसदी तक पहुंच जाएगा। बात साफहै कि आने वाले समय में भारत की आधी से अधिक आबादी मिडिल क्लास की होने जा रही है। बावजूद इसके मिडिल क्लास संगठित नहीं होने के कारण हर जगह हाशिये पर पटक दिया जा रहा है। सरकारें भी योजनाएं और रणनीति बनाते समय या तो अत्यंत गरीब वर्ग को ध्यान में रखकर बनाती हैं या फिर वो चंद पूंजीपति उनकी

नजर में होते हैं, जिनसे पग-पग में उनका वास्ता पड़ता है। मिडिल क्लास सिर्फइनकम टैक्स स्लैब से खुश या दुःखी होता हुआ देखाई देता है, इससे ज्यादा की उसकी मानों कोई एहमीयत भी नहीं है। सर्वे करने वाले तो दावा कर रहे हैं कि जब हमारे हिंदुस्तान की आजादी के 100 साल पूरे हो जाएंगे तो देश में मिडिल क्लास की संख्या 1 अरब के पार हो जाएगी। इस आंकड़े से कंपनियां खासी खुश हो सकती हैं, क्योंकि उनके लिए तो मिडिल क्लास एक बड़ा मार्केट है, जिसे भुनाने में वो अपनी ताकत लगा देंगी, लेकिन इसमें उनका अपना लाभ ज्यादा होगा, जबकि मिडिल क्लास को मिडिल में ही रखने की भी भरसक कोशिशें होंगी, क्योंकि जो इससे ऊपर निकल गया फिर वह न तो कंपनी के काम का रह जाता है और न ही धुर राजनीति करने वालों के ही काम का। इसलिए सभी की कोशिशें तो यही होती हैं कि मिडिल क्लास को बनाया रखा जाए, ताकि कम लागत पर ज्यादा उत्पादन करने की स्ट्रजी को आसानी से लागू किया जा सके। चाहे एफएमसीजी कंपनियों की बात हो या कोई और सेक्टर वालों की सभी को मिडिल क्लास की ताकत का पता होता है, लेकिन खुद इस वर्ग को अपनी ताकत का अंदाजा नहीं होता वर्ना वो भी अपनी शक्ति पर गुमान करने लग जाएं और हर वो बात सरकार व कंपनियों से मनवा लें जो उनके अपने हक व लाभ के लिए जरुरी होती हैं। ऐसा हो नहीं सकता, क्योंकि मिडिल क्लास में एका नहीं है, किसी बात को उठाने और सरकार व कंपनियों के सामने रखने के जिए जिस एकजुटता की आवश्यकता होती है वह भी इनमें कतई नहीं होती है, जिसका फायदा गाहे-बगाहे सभी उठाते रहते हैं। फिलहाल देश में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मिडिल क्लास की बातें हो रहीं हैं, लेकिन वो भी सियासी हाशिये पर रखकर। यह अलग बात है कि चुनावी झंडा उठाने से लेकर चुनाव कैंम्पैन करने तक मध्यम वर्गीय परिवार का किशोर व जवान ही सबसे आगे नजर आता है। अमीर तो सिर्फआदेश देने और व्यवस्था देखने के लिए होता है, जबकि जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए मध्यम वर्ग ही होता है, जो कि मजदूर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करता है। ऐसे में इस चुनाव में होना तो यह चाहिए था कि मध्यम वर्ग की चिंता करते हुए उन्हें केंद्र में रखते हुए चुनावी घोषणा-पत्र बनाए जाते, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सकता क्योंकि चुनाव जीतने के लिए वो कारक जरुरी होते हैं जिनका प्रभाव समाज में होता है। ऐसे में सबसे बेहतर परिणाम देने वाला कारक मिडिल क्लास अपने महत्व को जब तक प्रतिपादित नहीं कर देता, तब तक हाशिये पर बना रहना उसकी किस्मत में है। इसके लिए सियासी रणनीति और बराबर की हिस्सेदारी पर ध्यान देने और कार्य करने की आवश्यकता है, जिस दिन इस पर कार्य होने लगेगा, मिडिल क्लास भी हाशिये पर नहीं रह जाएगा।

सोनम की सुनो दिल्ली वालो...

- राकेश अचल

सोनम वांगचुक एक पखवाड़े से खून जमा देने वाली सर्दी में अनशन पर हैं, लेकिन दुर्भाग्य कि दिल्ली को न सोनम दिखाई दे रहे हैं और न सुनाई दे रहे है। सवाल ये है कि क्या दिल्ली सचमुच दृष्टि बाधित और बहरी हो गयी है या फिर दिल्ली ने जानबूझकर देखना-सुनना बंद कर दिया है? सोनम वांगचुक को दिल्ली की सल्तनत नहीं चाहिए। सोनम केवल अपनी जन्मभूमि लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाने और संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर अनशन पर हैं। दिल्ली और पूरा देश चुनाव के खुमार में है। देश को न दिल्ली के बाहर अनशन करते किसान दिखाई दे रहे हैं और न ही दिल्ली से 1020 किमी दूर लद्दाख में अनशनरत सोनम वांगचुक। देश की सत्तारूढ़ पार्टी को तो छोड़िये दीगर विपक्षी राजनीतिक पार्टियों को भी सोनम वांगचुक नहीं दिखाई दे रहे है। सोनम अकेले आपने लोगों की लड़ाई लड़ रहे हैं। आपको बता दें कि, सोनम की मातृभूमि लद्दाख पहले जम्मू-कश्मीर राज्य का हिस्सा होती थी लेकिन हमारी मौजूदा सरकार ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा छीन कर उसके तीन हिस्से कर दिए थे। सोनम का लद्दाख अब किसी राज्य का हिस्सा नहीं है। लद्दाख केंद्र के आधीन है। सोनम चाहते हैं कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाये और वहां संविधान की छठी सूची लागू की जाये। सबको साथ लेकर सबका विकास करने वाली हमारी दिल्ली की सरकार से इस दिशा में बातचीत विफल रहने के बाद वांगचुक ने अपना अनशन छह मार्च को शुरू कर दिया था। इसके लिए उन्होंने लेह के नवांग दोरजे मेमोरियल पार्क को चुना। हाड़ कंपा देने वाली ठंड और शून्य से नीचे तापमान के बावजूद उनके प्रदर्शन में हिस्सा लेने वालों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। आपको बता दूँ कि तीन फरवरी को भी लेह में छठी अनुसूची को लागू करने की मांग को लेकर कड़ाके की ठण्ड में एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था, जिसमें हज़ारों लोगों ने भाग लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की थी। सोनम वांगचुक नवाचारी और शिक्षा सुधारक हैं। उनकी अपनी एक छोटी सी राजनीतिक पार्टी न्यू लद्दाख मूमेंट भी है। सोनम छात्रों के एक समूह द्वारा 1988 में स्थापित स्टूडेंट्स

एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीओएमएल) के संस्थापक-निदेशक भी हैं। सोनम ने लद्दाख के युवाओं पर थोपी गयी शिक्षा प्रणाली को ठुकराते हुए एसईसीएमओएल परिसर को डिजाइन किया जो पूरी तरह से सौर-ऊर्जा पर चलता है, और खाना पकाने, प्रकाश या (हीटिंग) के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग नहीं करता। सोनम वांगचुक से मेरी मुलाकात पिछले महीने ही ग्वालियर में हुई थी। उन्हें ग्वालियर के आईटीएम विश्विद्यालय ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि देने के लिए ग्वालियर आमंत्रित किया था। जो लोग सोनम के बारे में नहीं जानते उन्हें बता दूँ कि सोनम को सरकारी स्कूल व्यवस्था में सुधार लाने के लिए सरकार, ग्रामीण समुदायों और नागरिक समाज के सहयोग से 1994 में ऑपरेशन न्यू होप शुरु करने का श्रेय भी प्राप्त है। सोनम ने बर्फ-स्तूप तकनीक का आविष्कार किया है जो कृत्रिम हिमनदों (ग्लेशियरों) का निर्माण करता है, शंकु आकार के इन बर्फके ढेरों को सर्दियों के पानी को संचय करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। फिल्म थ्री इडियट्स में आमिर खान का किरदार फुंगसुक वांगडू सोनम की जिंदगी से प्रेरित था। सोनम से दिल्ली नहीं डरती क्योंकि सोनम के पास कोई बड़ी सियासी ताकत नहीं है, लेकिन सोनम के पास मौलिक विचारों की कमी नहीं है। उन्होंने पिछले सालों में जब चीन को सबक सीखने के लिए बुलेट नहीं वॉलेट का मन्त्र दिया तह तब चीन की सरकार तक सनाके में आ गयी थी। उन्होंने चीनी सामान के बहिष्कार की अपील की था। लद्दाख के लोग सोनम को उसी तरह प्यार करते हैं जैसे भाजपा के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को। सोनम वांगचुक के अनशन के 13 वें दिन उनके समर्थन में सैकड़ों लोग भी भूखे रहे और रात को भूखे सोए। उन्होंने स्पष्ट किया कि, आखिर उनकी मांग क्या है और इसका मकसद लोगों को लद्दाख में प्रवेश से रोकना नहीं है। उन्होंने बताया कि छठी अनुसूची का मकसद सिर्फ बाहरी लोगों को ही रोकना नहीं है, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील इलाके या संस्कृतियां-जनजातियां को सभी स्थानीय लोगों से भी बचाने की जरूरत है। सवाल ये है कि, क्या सोनम की मांगे अनुचित हैं...? राष्ट्रविरोधी हैं...? क्या उन्हें पूरा नहीं किया जाना चाहिए...? आज सोनम की मांगें और आमरण अनशन नक्कारखाने में टूटी की आवाज बनकर रह गया है लेकिन कल मुमकिन है कि सत्तामद में डूबी दिल्ली सोनम की बात को सुने, समझे और मान भी ले। सोनम न कांग्रेसी हैं और न भाजपाई। वे हेमंत सोरेन या अरविंद केजरीवाल भी नहीं हैं, जिन्हें कि किसी घोटाले में शामिल बताकर जेल भेजा जा सके। सोनम भूमिपुत्र है। इंजीनियर हैं और अपनी पढ़ाई-लिखाई तथा तजुर्बों से अपने लोगों को लाभान्वित करना चाहते हैं। क्या सोनम की साधना में भी व्यवधान आएगा...? क्या सोनम हार जायेंगे...? क्या ये देश सोनम के साथ खड़ा होगा...? ये ऐसे तमाम सवाल हैं जो केवल दिल्ली की केंद्रीय सत्ता से ही नहीं बल्कि सभी राजनितिक दलों और आम जनता से किये जा रहे है। क्या आप सोनम के साथ हैं...?

चुनाव व आईपीएल, कारोबार हर हाल में

-आलोक पुराणिक

स्मार्ट यूनिवर्सिटी ने कारोबार विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया, इसमें प्रथम पुरस्कार विजेता का विवरण इस प्रकार है- गर्मी, आईपीएल और चुनावदूसबकी शुरुआत हो चुकी है। गर्मी का कारोबार शुरू हो चुका है; पंखे, एयरकंडीशनर वगैरह की बिक्री के इश्तिहार आना शुरू हो गये हैं। आईपीएल तो विशुद्ध कारोबार है। और चुनाव तो इस देश में परमानेंट कारोबार हैं। कुल मिलाकर दुनिया कारोबार है, कारोबार की ही दुनिया है। चुनाव से पहले ही ओपिनियन पोल का धंधा शुरू हो गया था। ऐसे-ऐसे एक्सपर्ट सरकार बनने बनाने पर राय दे रहे हैं, जिनकी कभी भी कोई भी राय सही साबित न हुई। एक्सपर्ट लोग बार-बार गलत बोलते जाते हैं क्योंकि उन्हें पब्लिक की कमजोर याददाश्त पर पक्का भरोसा होता है। याददाश्त अगर मजबूत हो तो ना नेता और ना ओपिनियन पोल एक्सपर्ट अपना काम चला सकते। याददाश्त अगर नेता की मजबूत हो, तो याद रहेगा कि जिस पार्टी के साथ इस चुनाव में गठबंधन हो रहा है, उस पार्टी के नेता तो हमें जाने कितनी गाली दे चुके हैं। नेता गाली याद ना रखता, सिर्फ कुरसी मिलने की संभावना देखता है। पुरानी गालियों को याद रखे नेता तो पालिटिक्स नहीं हो सकती।

पब्लिक की याददाश्त तेज हो जाये, तो कईयों के धंधे चौपट हो जायें। पब्लिक को याद क्यों ना रहता। जी पब्लिक क्या-क्या याद रखे। रोज बीस सीरियल देखती है पब्लिक। यह सब याद रखना ही बहुत मुश्किल है। सीरियल के कैरेक्टर याद रखो, नेताओं के बयान याद रखो, किस पोल एक्सपर्ट ने किसकी सरकार बनायी- इसे याद रखो। कितना याद रखें जी। यह सब भूलना उसके हित में है। आईपीएल के रिकार्ड याद रखने का तो कोई मतलब ही नहीं है। आईपीएल का कोई आफिशियल रिकार्ड रखा ही नहीं जाता। आईपीएल कुल मिलाकर गली मुहल्ले क्रिकेट का बड़ा संस्करण है, जिसमें कोई आफिशियल क्रिकेट नहीं है। लोकल पार्क में गुप्ताजी और शर्माजी संडे की संडे क्रिकेट खेलते हैं, उन्हें एकाध दिन बाद खुद ही याद ना रहता कि संडे के मैच में कितने रन बनाये थे। संडे क्रिकेट मस्ती की पाठशाला होता है। आईपीएल भी बस मस्ती की पाठशाला है, नाच गाना देखो, चीयर लीडर डांस देखो। रन बने या नहीं बने, कैच पकड़े गये या नहीं, ये रिकार्ड रखने की जरूरत ही नहीं है। आईपीएल के साथ चुनाव हो रहे हैं। आईपीएल और चुनावों के बीच जाइंट वेंचर होना चाहिए। आईपीएल के मैचों में ही चुनावी रैलियां आयोजित की जा सकती हैं। कई नेताओं को सुनना पसंद नहीं करती पब्लिक। आईपीएल के मैचों में चीयर लीडर डांस देखने बहुत लोग जाते हैं, वहीं कमजोर नेताओं की रैलियां कर दी जायें। सबका भला हो।

गर्भवती महिला के साथ हुआ सायबर फ्रॉड

माही की गूंज, मंदसौर।

शातिर ठगों ने अब ठगी का नया तरीका मातृत्व और प्रसूति सहायता योजना को बनाया है, ठग ने प्रसूताओं के परिजन को फोन कर योजना का लाभ दिए जाने के नाम पर खाता खाली कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मंदसौर से सामने आया है यहाँ ठग ने गर्भवती महिला को फोन कर सरकार की प्रसूति सहायता योजना के नाम पर उसका अकाउंट खाली कर दिया। ठग ने गर्भवती महिला को फोन किया और उसे बातों में उलझा कर उसके अकाउंट से 5 हजार पार कर दिए, ठग ने महिला को सरकारी सहायता देने के नाम पर ओटीपी मांगा और फिर ठग लिया। हैरान करने वाली बात यह है की ठग के पास महिला का नाम सहित तमाम जानकारी थी जो महिला के शासकीय दस्तावेजों में दर्ज है। इस मामलें की शिकायत मंदसौर के पूर्व विधायक यशपाल सिसोदिया ने सीएम डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर की है।

पूर्व विधायक यशपाल सिसोदिया ने बताया कि, सोशल मीडिया के माध्यम से एक ऑडियो मुझे प्राप्त हुआ है। मंदसौर जिले के बोतलगंज निवासी एक गर्भ बहन को महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी बोलकर फोन पे फ्रॉड से राशि ट्रांसफर करा ली गई। इस संबंध में महत्वपूर्ण और चिंतनीय बात यह है कि फ्रॉड करने वाले व्यक्ति के पास हितग्राही का सारा डेटा मौजूद है। नाम, पति का नाम, गांव, जन्मतिथि, संभावित डिलेवरी डेट, स्वास्थ्य केंद्र इत्यादि। शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज सारी जानकारी का उपयोग उसके द्वारा अपने फ्रॉड को अंजाम देने में किया गया है।

सामान्य हितग्राही इतना सचेत नहीं होता, इतनी जानकारी दिए जाने पर उसका इनके चंगुल में फंसना निश्चित है। मेरा आपसे आग्रह है कि शासकीय डेटा के उपयोग से हुए इस फ्रॉड की जांच कराएं और सरकारी डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आपके नेतृत्व में और प्रभावी कदम उठाए जाएं, क्योंकि यह एक गंभीर, चिंतनीय और लोगों की निजता से जुड़ा विषय है।

ऑनलाइन खरीदी दर्ज नहीं करने पर प्रबंधकों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर ऋजु बाफना ने चार खरीदी केन्द्रों पर पहुंचकर रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर की जा रही गेहूं की खरीदी कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने खरीदी के उपरांत बोरियों पर किसानों का कोड अंकित नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सभी बोरियों पर किसानों का कोड अनिवार्य रूप से दर्ज करवाएं और जिन खरीदी केन्द्र के समिति प्रबंधकों द्वारा खरीदी कोड अंकित नहीं किये गये हैं, उन्हें नोटिस जारी करें।

कलेक्टर ऋजु बाफना ने सर्वप्रथम मझानिया के सत्येश्वर वेयर हाऊस में चल रही खरीदी कार्य का निरीक्षण किया। यहां जिला विपणन सहकारी समिति शाजापुर तथा पैक्स हीरपुरटेका की समिति द्वारा खरीदी कार्य किया जा रहा है। यहां खरीदी कर रही संस्था के प्रबंधकों की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिये। इसके उपरांत उन्होंने गौलाना के जय मॉ कालका वेयर हाऊस तथा देवसिद्धी वेयर हाऊस का निरीक्षण किया। यहां पैक्स गौलाना द्वारा खरीदी की जा रही है। उपार्जित गेहूं का डाटा विगत 22 मार्च से ऑनलाइन दर्ज नहीं होने पर कलेक्टर ने यहां के मैनेजर के विरूद्ध भी कार्रवाई करने के निर्देश दिये। इसके बाद कलेक्टर ने तिंगजपुर के ईलाही लॉजिस्टिक वेयर हाऊस का निरीक्षण किया। यहां पैक्स तिंगजपुर, मदाना द्वारा खरीदी की जा रही है। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी को निर्देश दिये कि वे तहसीलदारों के माध्यम से भी खरीदी केन्द्रों पर सेम्पल लेने का कार्य कराएं।

इन सभी वेयर हाऊस में की जा रही खरीदी के उपरांत वेयर हाऊस संचालक द्वारा बोरियों के स्टैक लगाए जा रहे थे। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि कोई भी वेयर हाऊस संचालक बोरियों के स्टैक नहीं लगाएं। जिन वेयर हाऊस द्वारा स्टैक लगाए जा रहे हैं उनका व्यय भार वे स्वयं उठाएंगे, शासन की ओर से इसके लिए कोई राशि नहीं दी जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि, खरीदी केन्द्रों पर समितियां तौल-कांटे बढ़ाएं और जल्दी से जल्दी किसानों से खरीदी करें। किसानों को अनावश्यक परेशानी नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखें। किसानों के लिए खरीदी केन्द्रों पर प्राथमिक सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं, ऑफ्लाइन खरीदी के उपरांत तत्काल उसे ऑनलाइन दर्ज करें। खरीदी की जानकारी प्रतिदिन उपलब्ध कराएं, अमानक स्तर के गेहूं नहीं खरीदें। गेहूं में कचरा एवं अन्य सामग्री पाई जाने वाली पहले उसे छनवाएं, खरीदी के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होना चाहिये।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम केएल परमार, वेयर हाऊस प्रबंधक सुमित शर्मा, जिला आपूर्ति प्रभारी अधिकारी देवेन्द्र शर्मा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सीईओ विशेष श्रीवास्तव, सहकारिता उपायुक्त ओपी गुप्ता, जेएसओ अजय खराड़िया, नायब तहसीलदार रमेश परमार भी उपस्थित थे।

गैंगवार के चलते हुआ था डबल मर्डर, पुलिस मान रही थी एक्सीडेंट

माही की गूंज, रतलाम।

पुलिस ने नामली थाना क्षेत्र में हुई बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। दोनों युवकों की हत्या जहां शव मिले थे वहां से करीब आठ किलोमीटर दूर बांगरौद-नेगड़दा मार्ग पर की गई थी। वहां से शवों व मृतक की बाइक को एक कार में रखकर हाईवे पर कांडरवासा फंटे के पास फेंककर सड़क दुर्घटना में युवकों की मौत दर्शाने का प्रयास किया गया था। पुलिस के अनुसार दोनों युवकों की हत्या तीन वर्ष पहले जेल में दो गुरुपों के कुछ युवकों के बीच हुई मारपीट की रंजिश और गुरुपों की आपसी लड़ाई के चलते की गई थी। अब तक 21 के खिलाफप्रकरण दर्ज कर सात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसपी राहुल कुमार लोढा ने मंगलवार दोपहर दोहरे अंधेकत्ल की गुत्थी सुलझाने की जानकारी देते हुए बताया कि, केशव गुर्जर और गजेंद्र डोडिया मित्र कुलदीप जाट के जन्मदिन की पार्टी में गए थे। रात करीब साढ़े 10 बजे दोनों बाइक पर वहां से निकले थे तभी आरोपी पक्ष को फोन लगाकर एक युवक ने उनके निकालने की जानकारी दी थी। इसके बाद आरोपितों ने चारपहिया वाहनों से घेराबंदी कर कार से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे दोनों गिरकर घायल हो गए थे। इसके बाद केशव व गजेंद्र की हाकी, डंडे व फावड़े से पिटाई की गई थी। दोनों की मौत होने के बाद दोनों के शव एक कार में और उनकी क्षतिग्रस्त बाइक दूसरी कार में डालकर हाईवे पर शव व बाइक ले जाकर दुर्घटना दिखाने का प्रयास किया गया था। अब तक आरोपित सूर्यपाल सिंह पुत्र मदन सिंह पडियार, राहुल पुत्र शंकर जाट, शैलेंद्र उर्फ शालू, अंकित पुत्र मुकेश कुमावत, योगेश पुत्र भंवरलाल राठौर और अभिषेक पुत्र रणछोड जाट को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित कान्हा जाट, दीपक जाट, प्रदीप जोशी, चरणसिंह जाट, समरथ चौधरी, रोहित कुमावत, ध्रुव जाट, दीपक गहलोत, सौरभ गेहलोत, विजय मेट, सौरभ मराठा, राजाराम चौधरी, दीपक गुर्जर और भगवान सिंह की तलाश की जा रही है।

यह है पूरा मामला

21 व 22 मार्च की दरमियानी रात महू-नीमच हाईवे पर गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों को कांडरवासा फंटे के पास 29 वर्षीय केशव गुर्जर और 30 वर्षीय गजेंद्र उर्फ गज्जू मृत मिले थे। उनके शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। वहीं शवों से कुछ दूर पर उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त अवस्था मिली थी। पहले माना जा रहा था कि उनकी मौत सड़क हादसे में हुई होगी, लेकिन 22 मार्च की दोपहर दोपहर शव घर ले जाते समय उनके स्वजन व अन्य लोगों ने हाईवे के अमलेटा फंटे पर जाम लगाकर धरना देकर उनकी हत्या करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। साथ ही धारा 302 में हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके मकान तोड़ने की मांग की थी।

पुलिस अधिकारियों द्वारा बारीकी से निष्पक्ष जांच कर जांच में आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन देने पर धरना प्रदर्शन व जाम खत्म किया गया था। वहीं पुलिस को घटना स्थल से करीब आठ किलोमीटर दूर बांगरोद-नेगड़दा मार्ग पर एक क्षतिग्रस्त कार भी मिली थी। कार में हाकी व डंडें भी पाए गए थे।

62 वर्षीय दादी दुनाली बन्दुक कंधे पर रख पहुंची पुलिस थाने

माही की गूंज, शाजापुर।

लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होते ही लाइसेंसी असलहे पुलिस थानों में जमा होने लगे हैं। इसी बीच मध्य प्रदेश के शाजापुर से एक तस्वीर सामने आई है। शहर की एक बुजुर्ग महिला कंधे पर 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक लेकर थाने पहुंच गई। कानून की जानकारी रखने वाली इस वृद्ध महिला को देखकर हर कोई आश्चर्यचकित रह गया। दरअसल, लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए छह दिन पहले ही आचार संहिता लागू कर दी गई है। ऐसे में अभी भी लाइसेंस धारक अपने हथियार जमा नहीं करा रहे हैं। वहीं, चुनाव आचार संहिता की जानकारी मिलते ही एक बुजुर्ग महिला कोतवाली थाने पहुंच गई। बंदूक शाजापुर शहर निवासी 62 वर्षीय भगवती बाई के पिता जालाजी चौकीदार के नाम पर थी। वृद्धा ने बताया कि, पिता की मौत के बाद मैंने उनकी बारह बोर बंदूक का लाइसेंस अपने नाम करा लिया था। भगवतीबाई अपना भरण-पोषण करने के लिए सफाईकर्मी और मजदूर के रूप में काम करती हैं और अकेली रहती हैं, इसलिए उन्हें सुरक्षा के लिए बंदूक रखनी पड़ती है। कोतवाली थाने में पदस्थ एसआई जया सुनेरी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लाइसेंसी हथियारों को थाने में जमा कराने की प्रक्रिया चल रही है. इसी बीच एक बुजुर्ग महिला अपने नाम पर 12 बोर की बंदूक जमा कराने आई। आपको बता दें कि, लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होते ही पुलिस और प्रशासन काफी सख्त किया जा रहा है। पुलिस गांवों और शहरों में फ्लैग मार्च कर लोगों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दे रही है। साथ ही लाइसेंसी हथियारों को भी पुलिस स्टेशनों में जमा कराया जा रहा है ताकि कानून व्यवस्था बनाए रखने में कोई दिक्कत न हो।

डोडाचूरा तस्कर गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

सुवासरा पुलिस की गिरफ्त में आया डोडाचूरा तस्कर दो दिन की पुलिस रिमांड पर पहुंच गया है। रिमांड अवधि में पुलिस तस्कर से मादक पदार्थ देने और लेने वाले तस्करी की जानकारी जुटा रही है।सुवासरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जबरनखेड़ा, रुणीजा-अंगारी रोड़ पर घेराबंदी कर लोकेंद्र सिंह पिता राम सिंह सोंधिया राजपूत (24) निवासी भरपुर गिरफ्तार किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक लाख 62 हजार 500 रुपए की कीमत का 65 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया था। एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज आकर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से दो दिन का पुलिस रिमांड मिला।

आस्था या अंधविश्वास, दहकते अंगारों पर चले लोग

माही की गूंज, शाजापुर।

देश में अलग-अलग हिस्सों में होली का त्योहार अलग-अलग मान्यताओं और परंपराओं के अनुसार बनाया जाता है। कई जगह फूलों से तो कहीं पर रंग गुलाल लगाकर तो कही लट्ठ बरसातें हुए होली खेलते हैं। लेकिन मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में दहकते अंगारों पर चलकर होली खेलने की परंपरा बारे में जानकार हैरान रह जाएंगे। इस पर यकीन कर पाना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन लोग यंहा आग पर चलकर होली मनाते हैं। यह परंपरा हर साल उन लोगों द्वारा निभाई जाती है जिनकी मन्नत पूरी होती है।

शाजापुर जिले में होली के पर्व पर एक अनोखी परंपरा का निर्वहन होता है। अब इसे आस्था कहें या अंधविश्वास, यहां गल महादेव मंदिर के बाहर कंडे से बने अंगारों पर ग्रामीण जन चलते हैं और अपनी मांगी हुई मन्नत को पूरी करते हैं। बताया जाता है कि इन अंगारों पर चलने पर ग्रामीण अपनी मन्नत मांगते हैं और पूरी होने पर अंगारों पर चलकर पूरी करते हैं हालांकि यह परंपरा कब शुरू हुई इस मामले में गांव के किसी व्यक्ति को नहीं मालूम है लेकिन यह परंपरा सालों से चली आ रही है। जिले के ग्राम पोलाय खुर्द में गल महादेव मंदिर के बाहर बड़े ही अनूठे ओर अनोखी परंपरा का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

मंदिर के बाहर गोबर से बने कंडे से अंगारे बनाये जाते है। और उस दहकते अंगारों पर गांव के लोग, बच्चे, बूढ़े, महिला पुरुष नंगे पैर होकर गुजरते है। सबसे खास बात ये है कि ये कार्यक्रम साल में महज एक बार होली के दिन आयोजित होता है। धधकते अंगारों पर चलने की परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। ऐसी ग्रामीणों की आस्था और मान्यता है कि यहां पर धड़कते हुए अंगारों पर चलने से गल महादेव भक्तों की इच्छा पूरी करते हैं।

गर्म अंगारों पर चलने से पैरों पर नही पड़ते छाले

ग्रामीणों का दावा है कि, इतने गरम अंगारों पर चलने के बाद भी न तो उनके पैरों में छाले पड़ते हैं और न ही किसी तरह की तकलीफ होती है। ग्रामीणों ने बताया कि आयोजन शाम 9 बजे मंदिर प्रांगण में प्रारंभ होता है। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। ग्रमीण बताते है कि गल महादेव मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद में पलास की लकडी में आग लगाकर के अंगारे बनाए जाते हैं इसके बाद जलते हुए अंगारों पर गल महादेव की पूजा अर्चना करने के पश्चात नंगे पैर अंगारों पर निकलने का सिलसिला शुरू होता है। गल महादेव महादेव के यहां पर जो भी भक्त मन्नत मांगता है। उस भक्तों की मन्नत बाबा एक वर्ष में पूरी करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि, यह परंपरा उनके गांव में कब शुरू हुई, इस बात की कोई सटीक जानकारी तो उनके पास नहीं है। लेकिन बुजुर्ग ग्रामीणों के अनुसार यह परंपरा कई साल से चली आ रही है। इसलिए बुजुर्गों के कहने पर हर साल गांव में यह परंपरा होली पर निभाई जाती है।

लड़की को उठाने और एसिड फेंकने आए बदमाश खुद झुलसे

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में तीन युवक एक युवती को किडनैप करने की नीयत से उसके घर आ धमके। एसिड से भरी बोतल भी वो लोग साथ में लेकर आए। लेकिन जैसे ही वे लोग युवती का किडनैप करने लगे तो उसके परिजन भी वहां आ गए। इस दौरान लड़की के परिवार वालों की तीनों युवकों के साथ मारपीट शुरू हो गई। तभी युवकों के हाथ से एसिड की बोतल खुल गई और पलट कर उनके ही उपर गिर गई। जिस कारण तीनों युवक बुरी तरह झुलस गए। तीनों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मामला पोलायकला के हिम्मतपुरा वार्ड क्रमांक-1 का है। मंगलवार शाम पांच बजे विशाल पटेल, राकेश किर और कान्हा बैरागी वार्ड क्रमांक-1 स्थित एक घर में पहुंचे। वहां वे एक युवती का किडनैप करने पहुंचे थे। साथ में एसिड की बोतल भी लाए थे। जैसे ही उन्होंने लड़की को जबरदस्ती अपने साथ ले जाना चाहा तो उसने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया।

लड़की की चीख सुनकर उसके पिता और अन्य परिवार वाले भी वहां आ गए। उन्होंने देखा कि तीनों युवक उनकी बेटी के साथ जोर-जबरदस्ती कर रहे हैं। तीनों के हाथ में एसिड की बोतल भी है। परिवार वाले इस बीच युवकों से भिड़ गए। तभी एक युवक के हाथ से एसिड की बोतल खुल गई और उन्हीं तीनों पर गिर गई। तीनों एसिड के कारण बुरी तरह झुलस गए। तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई। जिसके बाद तीनों घायल युवकों को पोलायकला के स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से उन्हें शाजापुर अस्पताल रैफर किया गया है।

घायलों ने लगाया लड़की के पिता पर आरोप

पोलायकला चौकी प्रभारी रामेश्वर पटेल ने बताया कि, तीनों आरोपी युवकों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं, एक घायल युवक ने बताया कि लड़की के पिता ने शराब के नशे में मुझे अपनी कार से टक्कर मार दी थी। जिसके बाद मैंने अपने दो दोस्तों को बुलाया फिर हम तीनों उनके घर बात करने पहुंचे। लेकिन इस दौरान उन लोगों ने हमारे ही साथ मारपीट शुरू कर दी। लड़की ने फिर हमारे ऊपर तेजाब डाल दिया। फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है दोनों पक्षों से पूछताछ जारी है।

अनपढ़ महिला के खाते से 75 लाख रुपए 10 माह में हुए गायब

मामला: एचडीएफसी बैंक व आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से जुड़ा

माही की गूंज, उदयगढ़। खलील मंसूरी

आए दिनों आजकल साइबर फ्रॉड या ऑनलाइन फ्रॉड के मामले सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला जोबट स्थित एचडीएफसी बैंक में सामने आया है जिसके बारे में विकासखंड उदयगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोटा उमर के गाली महुडी फलिया की निवासी विधवा महिला फुलबाई ने बताया कि, मेरे पति केरमसिह की मृत्यु 19 मार्च 2022 को हो गई थी। मेरे पति की दो पत्नी थी दुसरी का नाम पिंकी है। जो ग्राम कोसदुना (जोबट) की निवासी है। मेरे पति अहमदाबाद में एक कंपनी मे ठेकेदारी का कार्य करते थे। मै अपने बच्चो व परिवार सहित खेती कार्य के लिए ग्राम मोटा उमर मे रहती हुँ तथा मेरी सोतन पिंकी मेरे पति के साथ अहमदाबाद रहती थी। पीड़िता फूलबाई ने आगे बताया कि, अभी कुछ समय पुर्व मेरे देवर मुकेश द्वारा अहमदाबाद (गुजरात) से छानबीन करने पर पता चला कि, मेरे नाम से एचडीएफसी बैंक शाखा जोबट मे एक खाता है जो वर्तमान में चालू है। जिस पर मेने व मेरे देवर ने बैंक जाकर बैंक प्रबंधक से सम्पर्क किया और बताया कि, मेरे नाम से आपकी बैंक मे एक खाता संचालित है, जिस पर पहले तो बैंक मेनेजर बोला की तुम्हारे पास क्या सबुत है...? जिस पर हमने टीडीएस फाईल का हवाला दिया जो मेरा देवर गुजरात से निकालकर लाया था। तब बैंक मेनेजर ने तत्काल खाते की पासबुक ईन्ट्री कर मुझे दी, जिसमे उस समय 4 लाख 95 हजार 970 रुपए बेलेंस बताया गया था।

एचडीएफसी बैंक शाखा जोबट।

ऐसे पता चला कि हो गया फ्रॉड

पीड़िता फूलबाई ने आगे बताया कि, कुछ समय बाद जब मुझे पैसे की जरूरत पडी तो मैं अपने देवर को लेकर बैक से तीस हजार रुपए निकालने गई, तब खाते मे राशि केवल 14 रुपये शेष होना पाया गया। जिस पर बैक मेनेजर से पूछा, सर यह क्या हो गया...? जब आपने पास बुक दी थी तब बेलेन्स 4 लाख 95 हजार 970 रुपए था। जिस पर मेनेजर ने

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी इंदौर।

पास बुक ईन्ट्री करने की बात कही, जब पास बुक ईन्ट्री की गई तो पता चला कि, मेरे नाम से संचालित खाते मे करीब 75 लाख रुपया बिमा पालिसी हेल्थ इंश्योरेंस की राशि आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी इन्दौर से जमा की गई थी और उक्त राशि 75 लाख रुपए पास बुक के स्टेटमेंट अनुसार खाते मे पिंकी डुडवे तथा निलेश गुथरिया के नाम से बार-बार राशि आहरण किए जाना पास बुक रेकॉर्ड मे दर्ज होना पाया गया। एक खास बात यह भी सामने आई कि, फुलबाई ने बताया कि, मै एचडीएफसी बैक मे अपने नाम खाता ही नही खुलवाया तो यह खाता जोबट शाखा मे कैसे संचालित है...? जो एक जांच का विषय है। क्योंकि इस खाते की जानकारी मुझे व मेरे देवर को जब चली जब टीडीएस की जानकारी गुजरात से प्राप्त की गई। फुलबाई एक आदिवासी महिला होने के साथ अनपढ़ भी है। उनका यह भी कहना है कि, मेरे पति ने जीवन बीमा हेल्थ इंश्योरेंस करवाया था और उस बीमा पालिसी मे मेरा नाम नॉमिनी में था। तो मेरे द्वारा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी को मृत्यु दावा प्रस्तुत ही नही किया गया तो जोबट बैंक शाखा मे किस आधार पर मेरे नाम खाता खोला जाकर बिमा इंश्योरेंस की राशि 75 लाख जमा की गई और करीब दस माह मे ही खाते से पुर्ण राशि भी आहरण कर ली गई। यह एक बहुत ही गंभीर जाल साजी का मामला है जो फुलबाई को मालुम ही नही कि उसके नाम से बैक खाता किसने खुलवाया और बिमा राशि उसकी बीना जानकारी के कैसे बैक मे जमा हुई और राशि पुर्ण आहरण भी हो गई...? यह एक जाच का विषय है।

पुलिस में कई शिकायत

इस सबंध मे विधवा फुलबाई ने मय शपथ पत्र के लिखित आवेदन अपने नाम संचालित खाते की पासबुक स्टेटमेंट सहित जिला कलेक्टर अलीराजपुर, लिखित शिकायत पुलिस थाना आम्बुआ व पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर को देकर निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही की मांग करते हुए न्याय की गुहार की है। साथ ही दोषियो पर एफ्आईआर दर्ज कर अपने हक की पुर्ण राशि की मांग भी की है।

ये कहना है बैंक मैनेजर का...

एचडीएफसी बैंक मैनेजर मनोज वर्मा द्वारा बताया गया कि, बैंक लेवल पर मैं आपकी पूरी मदद करूंगा और आपका सहयोग करूंगा। आपके साथ गलत हुआ है तो आपकी भरपूर मदद की जाएगी। आप पुलिस का सहारा ले सकते हो पुलिस कंप्लेंट करो पुलिस में सहयोग करूंगा। मैं मदद में इन्वेस्टिगेशन में जो भी मेरे से पूछा जाएगा, मैं पूरा स्टेटमेंट वगैरा बैंक का रिकॉर्ड उपलब्ध करवाऊंगा।

पेड़ से लटके मिले युवक-युवती के शव

माही की गूंज, खरगोन।

जिले के आदिवासी क्षेत्र चैनपुर में युवक और युवती के शव नीम के पेड़ लटके मिलने से हड़कंप मच गया। प्रथम दृष्टया पूरा मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर चैनपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह 7 बजे लोगों ने युवक और युवती के शव दुपट्टे व गमछे से नीम के पेड पर लटके देखे। घटना के बाद से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी। सुबह 9 बजे सूचना मिलने पर पुलिस व फोरेंसिक टीम पहुंची। टीम ने दोनों के शव पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। दोनों मृतक भील समाज के बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस इसे प्रेम प्रसंग का मामला मान रही है। हालांकि पुलिस हत्या के एंगल से भी जांच कर रही है। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की पड़ताल में जुट गई है।

शिकायतों का निराकरण नही करने वाले अधिकारियों पर लगा जुर्माना

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर माह फरवरी 2024 में अनिराकृत पाई गई शिकायतों का निराकरण संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा नही करने एवं वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा निर्देश के उपरांत भी निर्देशों की अवहेलना करने के फलस्वरूप प्रति शिकायत एक हजार रुपये के मान से 4 शिकायतों के लिए अधिकारियों पर जुर्माना अधिरोपित किया है। साथ ही यह आदेशित भी किया है कि शिकायतों का अनिराकृत होने की पुर्नावृत्ति न हो। लोक सेवा प्रबधंक विभाग के जिला प्रबंधक श्रीमती शारदा सराफसे प्राप्त जानकारी अनुसार जनपद पंचायत सेंधवा के सीईओ वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पर 2 शिकायतों के लिए, बीईओ ठीकरी केसी सुनहरी तथा प्रभारी सीडीपीओ विकास गुप्ता पर 1-1 शिकायत के लिए प्रति शिकायत 1-1 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। उक्त अर्थदण्ड की राशि 7 दिवस में एसडीएम बड़वानी रेडक्रास सोसायटी में जमा कर लोक सेवा प्रबंधन विभाग को रसीद की छायाप्रति उपलब्ध करायेंगे।

नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 10 वर्ष की जेल

माही की गूंज, बड़वानी।

विशेष न्यायालय (पॉक्सो) बड़वानी श्रीमती सारिका गिरी षर्मा ने पारित अपने फैसले मे नाबालिक पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने के आरोप मे आरोपी राजेश पिता लाला निवासी ग्राम हरीबड जिला बडवानी को धारा 366 भादवि में 3 वर्ष एवं धारा 376(1) भादवि में 10 वर्ष एवं कुल 1500 रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया है। अभियोजन की ओर से पैरवी अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी बडवानी दुष्यंतसिंह रावत द्वारा की गई। अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चौहान सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बड़वानी ने बताया कि, घटना 29 अप्रैल 2023 को फरियादी और उसकी पत्नि रात में खाना खाकर घर में सो रहे थे तथा उसकी लडकी/अभियोक्त्री दूसरे घर में सो रही थी। सुबह करीब 6 बजे फरियादी की पत्नि उसकी लडकी/अभियोक्त्री को उठाने के लिये गई तो लडकी/अभियोक्त्री घर पर नही मिली आसपास रिश्तेदारो लडकी अभियोक्त्री की तलाश रिश्तेदारों में भी की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। उसकी लडकी/अभियोक्त्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। फरियादी ने उक्त घटना की रिपोर्ट थाने पर दर्ज करवायी। पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया और आरोपी से अभियोक्त्री को दस्तयाब किया तब ज्ञात हुआ की अभियुक्त, अभियोक्त्री को राजपुर से बस में बैठाकर गणपुर चौकडी और वहां से गुजरात जहां अभियोक्त्री को झोपडी बनाकर रखा एवं उसके साथ दुष्कर्म किया।

निर्वाचन प्रक्रिया की मॉनिटरिंग हेतु जिला नियंत्रण केंद्र स्थापित

माही की गूंज, बड़वानी।

लोकसभा आम निर्वाचन की घोषणा के पश्चात बड़वानी जिले में भी चुनाव आदर्श आचार संहिता लागू हो गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने बताया कि, जिला मुख्यालय से लोकसभा आम निर्वाचन की निर्वाचन प्रक्रिया की मॉनिटरिंग, नियंत्रण और शिकायत निराकरण तथा सहायता हेतु जिला नियंत्रण केंद्र स्थापित किया गया है। जिसमें 24 घंटे सातों दिन निर्वाचन संबंधी हेल्पलाइन नंबर 1950 एवं दूरभाष क्रमांक 9111783632 चालू है। इसमें जिले के कोई भी मतदाता या अन्य व्यक्ति निर्वाचन संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, मतदाता सूची में अपना नाम देखना हो, मतदाता को अपना नाम जुड़वाना हो, कोई सुझाव दे सकते हैं। मतदाता सूची के संबंध में जानकारी ले सकते हैं अपने वोटर आईडी के बारे में, मतदान केंद्र के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

एक अन्य सुविधा के रूप में गूगल प्ले स्टोर से सी विजिल एप्प डाउनलोड करके वीडियो, ऑडियो और लिखकर निर्वाचन के सम्बंध में अपनी शिकायत मोबाइल नम्बर व एप्प से दर्ज करा सकतें हैं तथा उसपर की गई कार्यवाही को ऑनलाइन भी देख सकतें हैं। जिला स्तरीय शिकायत मॉनिटरिंग एवं मतदाता हेल्पलाइन कंट्रोल रूम के नोडल अपर कलेक्टर केके मालवीय हैं जिन्हें कोई भी नागरिक लिखित में भी शिकायत दर्ज करा सकतें हैं।

ऐसे काम करेगा सी-विजिल एप

शिकायत करते समय मोबाइल पर जीपीएस ऑन रखना जरूरी। चुनावी प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के मामलों की ऑनलाइन शिकायत आप भी कर सकते हैं। ऐसे किसी भी उल्लंघन के मामले का वीडियो और फोटो लेने के 5 मिनट के अंदर इसे सी-विजिल सिटीजन एप पर भेजना होगा। इसके लिए मोबाइल पर जीपीएस ऑन रखना होगा। सी-विजिल एप को गूगल प्ले स्टोर से मोबाइल पर डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप का इस्तेमाल करने के लिए शिकायतकर्ता के मोबाइल पर जीपीएस और इंटरनेट चालू होना आवश्यक है। वीडियो दो मिनट से अधिक का नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही जिस मोबाइल से फोटो या वीडियो कैप्चर किए गए हैं शिकायत केवल उसी से की जा सकेगी। किसी दूसरे मोबाइल या कैमरे की फोटो या वीडियो अथवा पहले से स्टोर फोटो या वीडियो इस एप पर अपलोड नहीं होगी। फोटो या वीडियो के साथ शिकायतकर्ता संक्षिप्त में प्रकरण के बारे में जानकारी भी दे सकता है। यूनिक आईडी से अपने मोबाइल पर शिकायत को ट्रैक कर सकेंगे। जैसे ही आप शिकायत एप पर अपलोड करोगे लोकेशन सहित तत्काल जिला नियंत्रण के संपर्क केंद्र के पास पहुंच जाएगी। जिला नियंत्रण कक्ष के द्वारा उस पर तुरंत एक्शन ले कर 5 मिनट के भीतर संबंधित क्षेत्र की फ्लाइंग स्क्वाड को पहुंचा देगा। शिकायत पर 100 मिनट के अंदर ही टीम द्वारा एक्शन लिया जाएगा।

जेल से छूटने के बाद खेली खून की होली

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले से खौफनाक मामला सामने आया है। सिलावद थाना इलाके में कुछ दिन पहले जेल से बाहर आए युवक ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद वापस जेल जाने के डर से आरोपी पति ने भी जान दे दी।

एडिशनल एसपी अनिल पाटीदार के जानकारी मुताबिक लाल सिंह सस्ते ने रविवार को ग्राम बोरी में अपनी 46 वर्षीय पत्नी छवि बाई की हत्या कर दी। इसके बाद देर रात उसने घर के पीछे एक पेड़ से फांसी लगाकर सुसाइड कर ली है।

लाल सिंह सस्ते कुछ दिन पूर्व ही जेल से छूटा था। दरअसल, उसने अपने काका की हत्या मामले में उसने 14 साल जेल की सजा भुगती थी। उसकी पत्नी छवि बाई गुजरात में मजदूरी करती थी। वह पैसा कमा कर कुछ दिनों पहले ही लौटी थी। वह कल भगोरिया मेले में जा रही थी। इसी दौरान लाल सिंह ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे नहीं देने पर दोनों में लड़ाई हो गई। उनकी 15 वर्षीय बेटी ने बीच बचाव करने की कोशिश की। इसी दौरान जब छवि बाई घर के पीछे पानी भरने गयी, तो लाल सिंह ने उसके सिर पर बड़ा पत्थर दे मारा। उनकी बेटी ने रिश्तेदारों को बुलाकर घायल छवि बाई को अस्पताल ले गई, लेकिन उसकी मृत्यु हो गई। जब पुलिस वालों ने लाल सिंह को ढूंढने की कोशिश की तो वह नहीं मिला। लालसिंह ने कल देर रात घर के पीछे पेड़ से फांसी लगाकर सुसाइड कर ली हैं। एडिशनल एसपी के मुताबिक हत्या के मामले में 14 वर्ष जेल काटने के चलते लाल सिंह फिर से जेल की जिंदगी नहीं गुजारना चाहता था। इसी वजह से उसने आत्महत्या कर ली। दोनों शवों का सोमवार को पोस्टमार्टम करवाने के उपरांत परिवार वालों को सौंप दिया गया।

आपराधिक प्रवृत्ति के 3 लोगों पर हुई जिला बदर की हुई कार्यवाही

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कर्मवीर शर्मा ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 3 व्यक्तियों के विरूद्ध जिला बदर की कार्यवाही की है। इन व्यक्तियों को तत्काल खरगोन, खण्डवा एवं बड़वानी जिले के राजस्व सीमाओं से तीन माह की कालावधि के लिए बाहर चले जाने का आदेश दिया गया है।

संजय नगर खरगोन के निवासी मुन्ना ऊर्फकालिया पिता रमुजउद्धीन शेख, ग्राम नान्द्रा थाना मंडलेश्वर निवासी रफीक पिता मुंशी शेख की आपराधिक गतिविधियों के कारण समाज की शांति भंग होने एवं समाज में असुरक्षा की भावना उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए इन व्यक्तियों को खरगोन, खण्डवा एवं बड़वानी जिले की राजस्व सीमाओं से तत्काल तीन माह की अवधि के लिए बाहर चले जाने कहा गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर इनके विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इन तीनों व्यक्तियों के विरूद्ध जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भादवि की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

आबकारी विभाग करीब साढ़े 6 लाख की अवैध मदिरा की जब्त

माही की गूंज, खरगोन।

आगामी लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशन में सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जिला खरगोन के आबकारी दल ने 26 मार्च को सुबह तड़के समय 7 बजे से आबकारी उड़नदस्ता प्रभारी श्री सजेंद मोरी के नेतृत्व में टीम क्रमांक (1) वृत खरगोन अ, ब, स एवं भीकनगांव के संयुक्त दल ने वृत्त भीकनगाव के ग्राम दामखेड़ा, दगड़खेड़ी एवं नीमखेड़ा में दबिश दी गई। दबिश दौरान मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क के तहत (07)प्रकरण दर्ज कर 3 आरोपी गिरफ्तार किये गए। इस दौरान 200 लीटर अवैध हाथभट्टी शराब एवं 2500 किग्रा महुआ लहान बरामद कर प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। यह प्रकरण वृत्त प्रभारी सचिन भास्करे द्वारा दर्ज किया गया है। कार्यवाही में जप्त की गई अवैध मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 2 लाख 80 हजार रुपए है।

टीम क्रमांक (2) में व्रत महेश्वर के ग्राम जलकोटी, सम्राट केरिया खेड़ी, माहेश्वरी नदी किनारे कार्यवाही की गई।

इस कार्यवाही में 7 प्रकरण दर्ज कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही के दौरान 210 लीटर अवैध हाथ भट्टी शराब, 3 हजार 200 किग्रा महुआ लहान जप्त किया गया, जिसका अनुमानित मूल्य 3 लाख 51 हजार 500 रुपए है। यह प्रकरण आबकारी उप निरीक्षक देवराज नगीना द्वारा दर्ज किए गया है। इस तरह दो स्थानों पर की गई कार्यवाही में जप्त सामग्री 410 बल्क लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा एवं 5 हजार 700 क्रिग्रा महुआ लहान जप्त किया गया है। जिसका अनुमानित मूल्य 6 लाख 31 हजार 500 रुपए है।

राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर स्वयंसेवकों ने की सहभागिता

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय खरगोन की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका श्रेया सेन का चयन 11 से 20 मार्च 2024 तक अद्वैत जागरण युवा शिविर के लिए राजकोट गुजरात में संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन के तत्वाधान में हुआ था। इससे पूर्व स्वयंसेवक प्रियांशु गुप्ता एवं जाह्नवी यादव का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर के लिए 3 से 9 मार्च 2024 तक ग्राम रवायती, तहसील पचोर जिला राजगढ़ में आयोजित हुआ। शिविर से लौटने के पश्चात स्वयंसेवकों ने प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा एवं डॉ जीएस चौहान कुल सचिव के सामने अपने शिविर

के अनुभव साझा किये। साथ ही महाविद्यालय के स्टाफ द्वारा स्वयंसेवकों का पुष्पगुच्छ देकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश आवासे ने स्वयंसेवकों की इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए इसे महाविद्यालय एवं संपूर्ण जिले के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। महिला इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सावित्री भगोरे द्वारा स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी उपलक्ष्य में वरिष्ठ स्वयंसेविका संवेदना पंढ़ाने, पूजा सोलंकी, रुचिका पाटीदार, गौतम भालसे, आंचल यादव, इशिका आरसे उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं एसपी ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कर्मवीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों के अंतर्गत 27 मार्च को बिस्टान, पिपलझोपा, रायसागर, भगवानपुरा एवं जिले के महाराष्ट्र से लगे सीमावर्ती क्षेत्र सिरवेल के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए सिरवेल में बनाएं गए अन्तर्राज्यीय चेक पोस्ट का भी निरीक्षण किया। मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर आगामी 13 मई को अपनी पसंद का सांसद चुनने के लिए मतदान अवश्य करने की सलाह दी। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री सत्येन्द्र बेरवा भी उपस्थित थे।

कलेक्टर शर्मा ने मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मतदान केन्द्रों में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। मतदान के दिन गर्मी पड़ने की संभावना को देखते हुए सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए छाया एवं पेयजल की व्यवस्था की जाए। छाया के लिए टेंट-शामियाना लगाने

कहा गया। इस दौरान ग्रामीणों एवं मतदाताओं से चर्चा के दौरान उन्हें आगामी 13 मई को सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करने की सलाह दी गई। मतदाताओं से कहा गया कि अपने क्षेत्र के विकास के लिए अपनी पसंद का सांसद चुनने सभी को मतदान अवश्य करना चाहिए। इस दौरान बताया गया कि सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहेंगे। अन्तर्राज्यीय चेक पोस्ट सिरवेल के निरीक्षण के दौरान वहां पर तैनात कर्मचारियों एवं सुरक्षा जवानों को निर्देशित किया गया कि चेक पोस्ट से गुजरने वाले वाहनों की कड़ाई से जांच की जाए। वाहनों की जांच का रिकॉर्ड संधारित किया जाए और चेक पोस्ट की गतिविधियों को सीसीटीव्ही कैमरे से भी रिकॉर्ड किया जाए। वाहनों की जांच के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री का परिवहन किया जाना पाया जाता है तो ऐसी सामग्री को जप्त कर पुलिस सुरक्षा में रखा जाए। कलेक्टर एवं एसपी ने सिरवेल पुलिस चौकी का भी निरीक्षण किया और क्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान चौकी प्रभारी को निर्देशित किया गया कि अवैध रूप से मदिरा का निर्माण करने वाले एवं परिवहन करने वालों पर कड़ी निगरानी रखें। समाज की शांति भंग करने वाले एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों पर जिला बदर, बान्ड ओव्हर एवं धारा 107-116 की कार्यवाही करें।

मतदाताओं को मतदान करने के लिए किया जा रहा प्रेरित

माही की गूंज, खरगोन।

लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाताओं को मतदान का महत्व बताया जा रहा है। इसी कड़ी में 27 मार्च को शा उमावि खामखेड़ा व अंजनगांव में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई व भीकनगांव जनपद के ग्राम बोरूठ में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं बामंदी व नंदगांव बगुद में मतदाताओं को आगामी 13 मई को अपनी पसंद का सांसद चुनने के लिए मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान मतदाताओं को बताया गया कि मतदान करना सबका अधिकार है। इसलिए मतदान के दिन सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करें और अपने पंसद के उम्मीदवार को चुने। मतदाताओं को समझाया गया कि क्षेत्र के विकास व लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान करना हम सब की जिम्मेदारी और कर्तव्य है।

भोजशाला में एएसआई सर्वे के दौरान उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

माही की गूंज, धार।

जिले में विवादास्पद भोजशाला/कमाल मौला मस्जिद परिसर में मंगलवार को हिंदुओं ने पूजा अर्चना की। इसके साथ ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की एक टीम ने अदालत द्वारा निर्देशित अपना सर्वेक्षण भी जारी रखा। 7 अप्रैल 2003 के एएसआई के आदेश के अनुसार, हिंदुओं को हर मंगलवार को भोजशाला परिसर के अंदर पूजा करने जबकि मुसलमानों को शुक्रवार को वहां पर नमाज अदा करने की अनुमति है।

सर्वेक्षण शुरू होने से पहले सुबह करीब 7.15 बजे हिंदू श्रद्धालु ऐतिहासिक परिसर में पहुंचे। 11 मार्च को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एएसआई को छह सप्ताह के भीतर भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया था। मध्यकालीन युग के इस स्मारक को हिंदू, देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर मानते हैं और मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है।

अदालत के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एएसआई टीम ने 22 मार्च को आदिवासी बहुल जिले में विवादित परिसर में अपना सर्वेक्षण शुरू किया। भोज उत्सव समिति के उपाध्यक्ष बलवीर सिंह ने कहा कि एएसआई सर्वे से विवाद का बेहतर समाधान निकलेगा। उन्होंने दावा किया कि यह मां सरस्वती का मंदिर है और उन्होंने इसे हिंदुओं को देने की मांग की।

इससे पहले, प्रसिद्ध पुरातत्वविद् केके मुहम्मद ने भी दावा किया था कि विवादास्पद परिसर एक सरस्वती मंदिर था और बाद में इसे इस्लामी पूजा स्थल में बदल दिया गया। ऐसा माना जाता है कि एक हिंदू राजा, राजा भोज ने 1034 ई. में भोजशाला में वाग्देवी की मूर्ति स्थापित की थी। हिंदू समूहों का कहना है कि अंग्रेज इस मूर्ति को 1875 में लंदन ले गए थे।

धधकते हुए अंगारों पर आस्था और विश्वास के साथ नंगे पैर चले मन्नतधारी

माही की गूंज, अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर

ग्राम सगवाल में तीन दिवसीय खांडेराव गल-चुल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मन्नतधारी महिलाओं के द्वारा मन में आस्था और विश्वास लिए नंगे पैर धधकते हुए अंगारो पर चलकर मन्नत को उतारा गया। जिसमे कई महिलाओं ने अपनी गोद में छोटे बच्चों को लेकर चुल पर चलकर मान उतारी। वहीं दुसरी ओर बड़ी संख्या में मन्नतधारी पुरूषो के द्वारा करीब 50 फिट उंचे मचान पर रस्सी के सहारे लटकर कर गल पर गोल घुमते हुए मान उतारी एवं खांडेराव भेरूजी का पूजन किया। इस मौके पर मेला देखने के लिए लोगो का हुजुम उमड़ पड़ा तथा यहाँ लगे झुले, चकरी के साथ अन्य मनोरंजन साधन का आनंद लिया एवं मेले में खरीदी की गई। ग्राम पंचायत के द्वारा पेयजल सहीत पार्किंग की व्यवस्था की गई वहीं सुरक्षा की दृष्टि से अमझेरा पुलिस प्रशासन की टीम मौजुद रही। मेले का समापन बुधवार को हुआ।

भद्रा के कारण देर रात को किया गया होलिका दहन

माही की गूंज, आम्बुआ।

फाल्गुन माह की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को होलिका दहन किया जाता है। बुराई पर अच्छाई की जीत का यह त्यौहार इस बार भद्रा के कारण ज्योतिषियों के अनुसार बताएं समय पर होलिका दहन कर मनाया गया।

हिंदू सनातन धर्म के अनुसार समस्त तीज त्यौहार आदि वैदिक ज्योतिष के नियम अनुसार ज्योतिषियों के द्वारा बताए समय अनुसार मनाए जाने का विधान इस बार होली दहन के पूर्व पृथ्वी लोक की भद्रा जो की संध्याकाल यानी रात्रि के प्रथम प्रहर तक होने के कारण होलिका दहन में विलंब हुआ। इस बार होली का दहन रात्रि 10 बजे से 11 बजे के बीच किया गया। होलिका दहन स्थल को युवाओं ने साफकिया तथा विद्युत एवं संगीत के लिए डीजे की व्यवस्था की, जिसकी धुन पर ग्रामीणों ने जमकर नृत्य किया। होलिका दहन के पूर्व होली की पूजा अर्चना महिलाओं द्वारा की गई।

होलिका दहन पर श्रद्धालुओं ने होली की परिक्रमा कर सुख समृद्धि की कामना की तथा गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम में कस्बे के समस्त सनातन धर्म प्रेमी सह परिवार उपस्थित रहे।

धुलेंडी की परंपरा को बच्चों ने कायम रखा

होलिका दहन के बाद दूसरे दिवस रंगों का पर्व धुलेंडी मनाने की परंपरा रहती है। मगर देखा जा रहा है कि, विगत तीन-चार वर्षो से यह परंपरा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। मगर अभी छोटे बच्चों ने यह परंपरा कायम रखी हुई है उन्होंने जमकर रंग खेल कर बड़ों को इस परंपरा निर्वहन करने की मानो सीख दी हो। धुलेंडी का कार्यक्रम होली का दहन के द्वितीय दिवस मनाया जाता है। इस दिन रंगों के साथ ही कहीं कहीं कीचड़ मिट्टी से भी होली खेली जाती है। शायद इसी लिए इस धुलेंडी कहा जाता रहा है। समय के साथ-साथ धूल मिट्टी कीचड़ की परंपरा तो समाप्त होती गई मगर रंगों की परंपरा कायम रही मगर अब यह भी धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। उसके पीछे जो भी कारण हो उनमें राजनीतिक विद्वेषता आपसी मनमुटाव, मनभेद, मतभेद आदि अनेक कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। बच्चे मन के सच्चे कहावत को बच्चे चरितार्थ करते हुए उन्होंने धुलेंडी की परंपरा को जीवित रखते हुए जमकर रंग खेला तथा बड़ों को परंपरा बनाए रखने की जैसे सिख भी दे डाली। क्षेत्र में कुछ वर्ष पूर्व तक रंगों का त्योहार धुलेंडी, उसके दूसरे दिन पुलिस तथा प्रशासन की होली (रंग) तथा रंग पंचमी और शीतला सप्तमी को रंग खेलने की परंपरा थी मगर अब यह केवल औपचारिकता मात्र रह गई है। वह भी भविष्य में समाप्त न हो जाए इस और ध्यान देने की जरूरत महसूस की जा रही है।

विद्युत वोल्टेज की कमी के चलते आमजन पेयजल सहित अन्य परेशानियों से त्रस्त

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति में हो रही दिक्कत के चलते अब ग्रामीण परेशान हो चूकें है। बिजली आपूर्ति का वोल्टेज 100 से भी कम आने के चलते फ्रिज, कुलर, पानी की मोटर सहित अन्य बिजली उपकरण नहीं चल पाने से आम उपभोक्ता काफ़ी परेशान हो रही हैं। वही विद्युत विभाग के कर्मचारी व अधिकारियों को इस समस्या का पता होने के बाद भी समस्या का निदान करने के बजाएं अंजान बने बैठे हैं। वोल्टेज की कमी इस माह से ही नही है बल्कि इस समस्या से विद्युत उपभोक्ता कब से जुझते नजर आ रहे हैं। जबकि आजाद नगर भाबरा से बरझर कस्बे की 11 केवी की बिजली लाइन अलग से ही है। परन्तु उस लाइन को बीच में ही डिवाइज कर अन्य क्षेत्र कस्बों में बांट दि गई जिसके चलते बरझर कस्बे में भारी वोल्टेज की कमी हो रही है। बिजली वोल्टेज कम होने से

पेयजल आपूर्ति भी समय पर नहीं हो पाती है, वहीं आटा चक्की पर भी बड़ी समस्या का सामना उपभोक्ताओं को करना पड़ रहा है वोल्टेज की कमी के चलते समय पर आटा नही पीस पा रहा है। वोल्टेज की कमी को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियो को भी खबर है परन्तु अपनी रोटी सेंक कर वोल्टेज की कमी को लेकर जाने अंजाने बने हुए हैं। जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि, गांव की समस्या उच्च नेता तक पहुंचाकर समाधान करना चाहिए परन्तु लोकसभा चुनाव में वोट लेने घर-घर जब स्थानीय नेता पहुंचेंगे तब इसका जवाब जनता देने को आतुर बैठी है। आम उपभोक्ता के काफ़ी परेशान हो जाने के चलते अब वरिष्ठ अधिकारी से मिलकर बरझर बंद सहित आवागमन बाधित करने का मन बना रहे हैं।

6 वर्षीय बालिका ने रखा पहला रोजा

माही की गूंज, बरझर।

सनाया खान ने रमजान में पहला रोजा जुम्मे का रख कर अपने जीवन का पहला रोज़ा रखा। जो 6 वर्षीय ख़ान को पहला रोजा रखने के चलते सभी फेमिली मेंबर ने लाड प्यार दुलार दिया। बच्ची का होंसला अफज़ाई के लिए रोज़ा इफ्तार में दस्तर खान में फ्रूट व मिठाई से सजा दी गई। साथ ही सनाया ख़ान के फेमिली मेंबर ने सनाया ख़ान को नज़राना भी पेश किया।

गल घूमकर मन्नतधारियों ने उतारी मन्नत

माही की गूंज, बरझर।

चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) के डुगलावानी में मचाल पर गल घूमकर मन्नतें उतारी, वही बरझर में धधकते अंगारों पर मन्नतधारियों ने चलकर अपनी मन्नतें पूरी की। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ शामिल हुए। साथ ही मांदल की थाप पर गांव में गैर भी निकाली। डुगलावानी में मचान पर चढ़कर मन्नतधारियों ने गल से घुम कर गुड़ निचे फेरकर अपनी मन्नतें उतारी साथ ही हजारों लोगों ने अपनी मन्नतें गल के निचे घुम कर पूरी की। वही बरझर में भी होली दहन के अंगारों को चुल में जलाकर धधकते अंगारों पर मन्नतधारी नगें पैर चलकर अपनी मन्नतें उतारी। वही मांदल के साथ गांव में गैर निकाल कर घर दुकानों से गोट भी ली। बडी संख्या में लोगों ने चूल मेले का आनन्द लिया।

इधर क्षेत्रीय विधायक सेना पटेल भी डुगलावानी व बरझर पहुंचकर होली की सभी को शुभकामनाएं देकर आम जनता ओर कार्यकताओं से मिलीं ओर गल चूल में मांदल बजाने वालों को प्रोत्साहित भी किया। विधायक के साथ कार्यकर्ता हरीश भाबर, विक्रम शाहू, इरसाद ख़ान, महेश मावी, सोमला बारिया आदि मौजूद थे।

रंग पंचमी पर महाकाल गर्भगृह में नहीं खेली जाएगी होली

माही की गूंज, उज्जैन।

होली के पांच दिन बाद चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को रंग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन भी कई जगहों पर रंग-गुलाल से होली खेली जाती है। बता दें कि, इस बार रंग पंचमी का त्योहार 30 मार्च के दिन मनाया जाएगा। लेकिन होली पर उज्जैन के महाकलेश्वर मंदिर में हुए हादसे के चलते रंग पंचमी पर मंदिर में बाहर से रंग-गुलाल लाने पर बैन लगा दिया है।

बता दें कि, जिला प्रशासन ने सोमवार को मंदिर के गर्भगृह में लगी आग के चलते ये फैसला लिया है। सोमवार होली के दिन सुबह गर्भगृह में आग लगने से 14 पुजारी झुलस गए थे। जिला प्रशासन अधिकारियों ने बताया कि, होली की तरह मंदिर में रंगपंचमी का त्योहार भी मनाया जाता है। लेकिन इस बार मंदिर के गर्भगृह में बाहर से रंग-गुलाल लाने पर बैन लगा दिया गया है। मंदिर प्रबंधन समिति ने

ये फैसला लिया है कि इस बार पलाश के फूलों से बने हर्बल रंग की व्यवस्था की गई है।

इस कारण लगी होगी आग

प्रदेश नगरीय प्रशासन मंत्री का कहना है कि, उज्जैन के मंदिर में गुलाल में मिले हुए रसायनों के कारण ही आग लगी होगी। आगे से ये सुनिश्चित किया जाएगा कि अगली बार केमिकल युक्त गुलाल का उपयोग न किया जाए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गर्भगृह में पुजारी और परिजनों में से किसी ने गुलाल फेंका और कर्पुर आरती के संपर्क में आने से आग भड़क गई। हालांकि, आधिकारिक तौर पर आग लगने के कारण का खुलासा नहीं किया गया है। वही, भस्मआरती के दौरान लोगों की भारी भीड़ को भी सवालों को घेरे में रखा गया है। बता दें कि तय संख्या से ज्यादा 25 लोग गर्भगृह में थे। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के बाद भी कि्वंटलों में रंग-गुलाल कैसे गर्भगृह में पहुंचा था।

तन पर नहीं रहने दिया एक भी कपड़ा, महिलाओं ने किया 'चीरहरण'

इंदौर।

इंदौर में महिलाओं की बर्बरता का वीडियो सामने आया है। इंदौर के गौतमपुरा गांव की 4 महिलाओं ने एक महिला को बुरी तरीके से पीट दिया। मारपीट के बाद महिलाओं ने उसके कपड़े तक फाड़ डाले। वजह सिर्फ इतनी थी कि बीते दिनों पीड़िता अपने साथ आरोपी महिला की सास को मंदसौर लेकर गई थी। जिसके बाद से आरोपी लक्ष्मी काफी नाराज थी और उसने अपनी सहेलियों के साथ मिलकर महिला के साथ क्रूरता की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में चार महिलाएं मारपीट करते हुए एक महिला के कपड़े फाड़ते हुए दिखाई दे रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद जब जानकारी पुलिस के पास पहुंची तो पुलिस ने चारों महिलाओं को गिरफ्तार कर अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार घटना इंदौर के गौतमपुरा गांव के निर्मल गांव बछोड़ की बताई जा रही है। जहां पर रहने वाली लक्ष्मी नमक तीन महिलाओं के साथ एक अन्य महिला के साथ बुरी तरह से पिटाई की गई। मामला सिर्फ इतना सा था की लक्ष्मी की सास को कुछ दिनों पहले पीड़िता द्वारा मंदसौर ले जाया गया था। इसी बात को लेकर लक्ष्मी कई दिनों से पीड़िता से नाराज थी।

लक्ष्मी अपनी तीन अन्य महिला साथियों के साथ पीड़िता के घर में गई और पहले उसे डंडे से पीटते हुए नीचे घसीट कर लाई फिर चारों महिलाओं ने पीड़िता को निर्वस्त्र कर दिया और गांव में कई घंटे तक घुमाते रहे। वीडियो वायरल होने के बाद गौतमपुरा पुलिस ने सभी महिलाओं के खिलाफ 354(ए) और 452 सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

वहीं गौतमपुरा पुलिस की माने तो पीड़िता और लक्ष्मी का विवाद केवल लक्ष्मी की सास को दूसरे शहर ले जाने की बात को लेकर था लेकिन घटना चार माह पहले की थी जब पीड़िता द्वारा लक्ष्मी की सास को मंदसौर ले जाया गया था। इसी बात को लेकर लक्ष्मी काफी दिनों से नाराज चल रही थी और रंजिश रखी हुई थी लेकिन सोमवार को कोई इस घटना ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है।

तीन महिलाओं ने खरीदार बन ज्वैलरी शॉप से उड़ाए गहने

छतरपुर।

मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक ज्वैलरी शॉप में चोरी का खुलासा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे से हुआ। दरअसल, कुछ दिनों पहले दुकान पर खरीदार बनकर पहुंची तीन शातिर महिलाओं गहने देखने के बहाने उस पर हाथ साफकर लिया था। इनकी यह करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. इसके बाद जब दुकानदार को दुकान में गहने कम मिले तब उसने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तब जाकर शातिर महिलाओं की चोरी पकड़ी गई।

चंदला सरवई मार्ग पर बंसिया तिराहे के पास स्थित एक ज्वेलर्स शॉप पर तीन शातिर महिला 21 मार्च की दोपहर पहुंची थी। इसके बाद तीनों ने खरीदार बनकर गहनों पर हाथ साफ कर दिया। जब दुकान बंद करने के समय दुकानदार ने गहनों का वजन किया तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पूरा मामला साफहुआ।

खरीदार बनकर गहनों पर किया हाथ साफ

पीड़ित दुकानदार के अनुसार ज्वैलरी की खरीदारी करने पहुंची तीनों महिलाओं ने दुकान मालिक से गहने दिखाने को कहा। दुकानदार ने ट्रे में

रखकर महिलाओं के सामने ज्वेलरी रख दी। देखते ही देखते महिलाओं ने ट्रे से कब ज्वेलरी साफ कर दी, उस वक्त दुकान मालिक को समझ नहीं आया। महिलाओं के जाने के बाद जब दुकान मालिक ने अपनी ज्वेलरी चेक की तो देखा कि ज्वेलरी में से एक सोने की बेसर और टॉप्स गायब है।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई महिलाओं की करतूत

दुकान मालिक नारायण सोनी ने चोरी हुए जेवरों को अपनी दुकान में तलाशा बाद में जब सामान नहीं मिला तब पूरे मामले की रिपोर्ट बीते रोज 23 मार्च को चंदला थाने में दर्ज कराई। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला गया। तब जाकर चोरी पकड़ में आई। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि सलवार सूट में बैठी तीसरी युवती ने ट्रे से गहना उठा लिया। फिर साड़ी पहने बैठी महिला को काउंटर के नीचे से थमा दिया।

पता बताने वाले को 5 हजार रुपए का इनाम

दुकान मालिक नारायण सोनी के पुत्र रविन्द्र सोनी ने कहा है कि, जो भी व्यक्ति इन शातिर महिलाओं की जानकारी उपलब्ध करवाएगा, उसे 5 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मेरी तरफसे दिया जाएगा। वहीं इस मामले को लेकर चंदला थाना प्रभारी प्रशांत सेन ने बताया कि, चोरी की घटना को अंजाम देने वाली महिलाओं का सीसीटीवी वीडियो के माध्यम से पहचान की जा रही है। जल्द ही तीनों महिलाएं पुलिस की गिरफ्त में होगी।

अनुभव और उत्साह के बीच मुकाबला

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। तमाम अनिश्चितताओं के माहौल में भी राजनीति के जानकारो का कहना है कि, कांग्रेस का टिकट केवल कांतिलाल भूरिया को ही मिलेगा। दो सूची में नाम न आने के बाद कुछ धुंधली तस्वीर अवश्य थी लेकिन वो केवल हवा-हवाईया थी। दरअसल कांग्रेस के पास कांतिलाल भूरिया के अलावा कोई विकल्प था ही नहीं। जहां तक युवा नेतृत्व का सवाल है तो कांग्रेस अभी उस स्थिति में नहीं है कि, वो युवा को आगे करके चुनाव जीत सके इसलिए कांग्रेस ने अपने कई अनुभवी नेताओं को चुनावी समर में उतारा है।

कांग्रेस के कांतिलाल भूरिया एक और जहां अपने जीवन का आठवा संसदीय चुनाव लड़ेंगे। वहीं भाजपा की ओर से कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान की पत्नी अनीता पहली बारी लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में प्रवेश के लिए जनता से मत याचना करेगी। यानी एक और अनुभव है तो दूसरी और उत्साह है, एक और नया जोर से तो दूसरी और गंभीरता है। भाजपा ने अपना प्रत्याशी चुनावी घोषणा के पूर्व ही घोषित कर दिया था जिससे उनके प्रत्याशी को अतिरिक्त समय मिला और उन्होंने क्षेत्र में भ्रमण का एक राउंड पूरा कर लिया। भाजपा प्रत्याशी को अलीराजपुर के बाहर पहचान का संकट है। वही कांतिलाल भूरिया की पहचान पूरे संसदीय क्षेत्र में फलिये-फलिये तक है। ऐसे में देखना होगा कि, अनीता नागरसिह चौहान मोदी फैक्टर के मजबूत हथियार के बलबूते तो कांतिलाल भूरिया अपनी व्यक्तिगत छवि और विधायक सांसद और मंत्री रहते किए गए कार्यों के साथ एक-दूसरे को कितनी टक्कर दे पाते हैं...?

दो बार हार चुके हैं भूरिया

कांतिलाल भूरिया भले ही 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव हार चुके हैं। लेकिन उनकी सक्रियता और लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। जिले और प्रदेश की राजनीति में उनका दबदबा वैसा ही कायम रहा यही नहीं राजनीतिक पंडितों का कहना है कि उनकी कुंडली में राजयोग भी प्रबल है। इसलिए 2014 के लोकसभा चुनाव हारने के महज एक वर्ष बाद ही तत्कालीन सांसद दिलीप सिंह भूरिया के निधन के चलते उप चुनाव में पूरी प्रदेश सरकार के जुटने , तात्कालिन मुख्यमंत्री की कई दर्जन सभाओं और स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया की सहानुभूति की लहर भी उनकी बेटी निर्मला भूरिया के साथ होने के बावजूद कांतिलाल भूरिया ने उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल कर लोकसभा में वापसी की थी। यही नहीं 2019 के चुनाव में भी हारने के बाद कुछ ऐसा संयोग बना की कांतिलाल भूरिया लगभग 6 माह बाद ही झाबुआ विधानसभा उपचुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंच गए। यानी अपने राजनीतिक जीवन में कांतिलाल भूरिया अधिकतर समय सांसद या विधायक अवश्य रहे हैं। वर्तमान में झाबुआ सीट अपने बेटे डॉक्टर विक्रांत भूरिया को सौंपकर वे पुनः दिल्ली उड़ान भरने की तैयारी में है लेकिन इस बार उन्हें तगड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पूरे संसदीय क्षेत्र में तीन मंत्री बनाकर भाजपा ने इस सीट पर तगड़ी घेराबंदी की है। अब देखना यह है कि उनमें से कौन सफल रहता है!

भाजपा की ओर से महिला प्रत्याशी पर दाव

मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास करवा कर एक बड़ा राजनीतिक दाव खेला जिसमें उन्होंने आधे वोटरों से पूरा वोट पाने की उम्मीद् के साथ बड़ी संख्या में महिला प्रत्याशी को मौका भी दिया है। इसी नीति के अंतर्गत रतलाम संसदीय क्षेत्र से उन्होंने महिला प्रत्याशी अनीता चौहान को मौका दिया है। लेकिन महिला प्रत्याशी पर दाव खेलना भाजपा के लिए दो बार असफल हो चुका है। भाजपा ने पूर्व में रेलम चौहान और निर्मला भूरिया को मौका दिया था लेकिन वे इन मोको का लाभ उठाने में असफल साबित हुई थी। भाजपा ने तीसरी बार फिर महिला को मौका देकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की है। अब देखना ये है कि, भाजपा सफल हो पाती है या नहीं...?

मई में ही जमेगा चुनावी रंग

रतलाम संसदीय सीट पर चुनाव चौथे चरण में यानी 13 मई को है। ऐसे में चुनावी रंग मई में ही दिखेगा। अप्रैल में वैसे भी क्षेत्र में शादियों का सीजन चलेगा और लोग अपने कामों में व्यस्त रहेंगे। नेता भी देश और प्रदेश के अन्य हिस्से में प्रचार के लिए जुटेंगे। ऐसे में इस संसदीय सीट पर चुनावी रंग मई में ही देखने को मिलेगा।

फिर पकड़ी गई अवैध शराब परिवहन करते हुए कार

कोई भी शामिल हो सभी को आरोपी बनायेगें-एसपी

माही की गूंज ,पेटलावद

पेटलावद थाना क्षेत्र में एक बार फिर अवैध शराब से भरी कार पुलिस द्वारा पकड़ी गई है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने सूचना के आधार पर दुलाखेड़ी बायपास पर पुलिस टीम ने एक स्विफ्ट कार को रोककर जांच की तो उसमें 12 पेटी शराब 108 बल्क लीटर कुल किमत 63360 की शराब मिली। पुलिस ने स्विफ्ट कार कीमत 5 लाख सहित कुल 5 लाख 63360 की मश्रुका जप्त कर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। बीते एक माह में पुलिस ने एक के बाद एक अवैध शराब से भरे कई वाहनों को पकड़ चुकी है लेकिन अवैध शराब का परिवहन कर रहे कारोबारी रुकने का नाम नही ले रहे।

बुधवार को एसपी पदम् विलोचन पेटलावद के दौरे पर थे इस दौरान उनके अवैध शराब की लगातार पकड़ी जा रही गाड़ियों के पीछे अवैध शराब सप्लाय से जुड़े लोगों पर कार्यवाही का सवाल पूछने पर बताया कि, इस मामले में शराब सप्लाई करने वाले से लेकर शराब लेने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है और इसमें शामिल सभी लोगो को आरोपी बना कर प्रकरण न्यायालय में पेश करने की बात कही है। दूसरी ओर क्षेत्र के शराब ठेकेदारों द्वारा अवैध रूप से ग्रामीण इलाकों में चार पहिया वाहनों से शराब सप्लाई करने की बात पर मामला आबकारी विभाग का बता दिया।

दो आरोपियों पर हो चुकी है रासुका

विगत दिनों अवैध शराब पकड़ने के दौरान एसएसटी टीम पर हमला ओर अवैध शराब का वाहन आरोपियों द्वारा फूंकने के मामले में पुलिस दो आरोपियों पर रासुका के अंतर्गत कार्यवाही कर दी। दोनों आरोपी जिले के उंडवा (कसारबड़ी) गाँव के रहने वाले है और यही इस मामले के मुख्य आरोपी बताये जा रहे है।

लोकसभा के चुनावों को देखते हुऐ पुलिस अवैध शराब पकड़ने ओर कार्रवाई करने की बात कर रही है। लेकिन जब तक स्थानीय शराब ठेकेदार द्वारा सप्लाई होने वाली शराब और अवैध शराब सप्लाई करने वाले शराब के बड़े कारोबारियो पर कानूनी शिकंजा नही कसा जाता तब तक चुनाव के दौरान अवैध शराब के वितरण पर रोक लगाना मुश्किल है। क्योकि ये जग जाहिर है कि, चुनाव के दौरान लाभ के लिए भारी मात्रा में शराब वितरण विभिन्न माध्यमों से राजनीतिक दल करते है।

सड़क किनारे बैठे युवकों को कार ने कुचला, दोनों की मौत

माही की गूंज , पेटलावद

मंगलवार की रात दो परिवारों के लिए काल की रात बन कर आई। जहा एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे बैठे दो युवकों पर कार चढ़ा दी जिंसमे दोनों युवकों की मौत हो गई। पेटलावद थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालपुरा में मंगलवार रात कुछ युवक सड़क किनारे बैठकर बातचीत कर रहे थे कि, इस दौरान कल्याणपूरा की और से आ रही एक सफेद रंग की कार ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क किनारे बैठे युवकों पर गाड़ी चढ़ा दी। जिंसमे गोपालपुरा निवासी गोलू पिता सलिया मैडा और अजय पिता शांतिलाल डामर बुरी तरह से घायल हो गए। जिनको 108 की मद्दत से ग्रामीणों द्वारा अस्पताल ले जाया गया जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि, टक्कर इतनी भयावह थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बुधवार को मृतकों का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनो के सुपुर्द किये गये। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने कार जप्त कर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कौन है चुनावी काका व चुनावी काकी जिनकी चर्चा आदिवासी अंचल के गांव-गांव में होने लगी

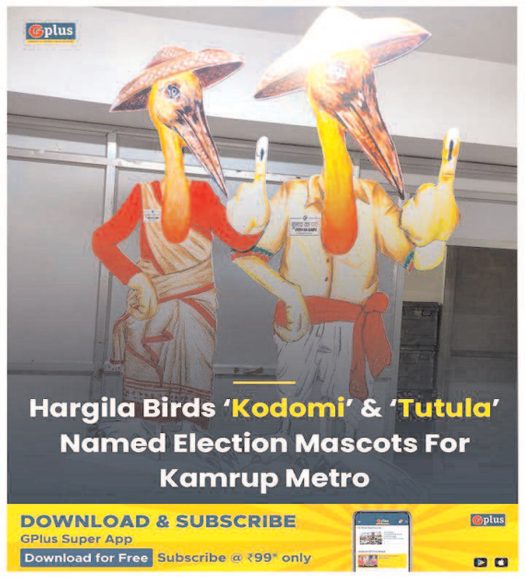

माही की गूंज झाबुआ।

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए झाबुआ में शुभंकर के रूप में चुनावी काका एवं चुनावी काकी को लांच किया गया है। परन्तु इसके पीछे के उद्देश्य को समझने के लिए आवश्यक है कि इन शुभंकरो को डिकोड किया जाए। जैसा कि स्पष्ट है चुनावी काका और चुनावी काकी बघीरा से प्रेरित नज़र आ रहे। जोकि शक्ति व साहस का प्रतीक माना जाता है। मतदाता जागरूकता अभियान को ज्यादा लुभावना व दिलचस्प बनाने का ये प्रयास सराहनीय है। बघिरा काका-काकी का जोड़ा सबको अपने तरीक़े से मतदान की कहानियाँ सुनायेंगे। डिकोडिंग की कड़ी में दूसरा बिंदु वेशभूषा को दिखाता है जो जिले के पारम्परिक वस्त्रो एवं श्रृंगार से प्रेरित है जो आदिवासी समाज में प्रचलित है, अतःराष्ट्रीय स्तर तक संस्कृति के प्रसार को इंगित करता है। जब भी कोई इस शुभंकर को देखेगा उसे इस क्षेत्र की सांस्कृतिक खूबसूरती देखने को मिलेगी।

अगर पूर्ववर्ती काल की बात की जाए तो वर्ष 2016 में चुनाव के दौरान इस प्रकार का

प्रयोग मेघालय मे क्लाउडेड लेपर्ड का भी शुभंकर के रूप में किया जा चुका है। जिसे बाद में राष्ट्रीय खेल 2022 मे भी शुभंकर बनाया गया था। मेघालय एक ट्राइबल राज्य है जहां शुभंकर के रूप में लेपर्ड को स्थानीय वेशभूषा में सबके सामने लाया गया था, जिसे काफ़ी सराहना मिली थी। मतदाता जागरूकता अभियान में उन्हें काफ़ी कारगर माना गया। जो की झाबुआ के शुभकरों का प्रेरणा स्त्रोत माना जा सकता है। चूँकि दोनों ही ट्राइबल क्षेत्र है व पहनावा बेहद खूबसूरत व सांस्कृतिक महत्वता को उजागर करता है। इसी के साथ पंजाब के विधानसभा निर्वाचन 2022 मे शेरा, असम में कोडोमी और टुटूला नामक हरगिला पक्षी, सिक्किम मे बंदर, ?तमिलनाडु में घोड़े व महाराष्ट्र के ठाणे मे बाघ का प्रयोग शुभंकर के रूप में किया जा चुका है। इसी तरह के प्रयोगो के माध्यम से पहली बार मतदान करने वाले वोटर्स को आकर्षित किया जा सकता है। वर्तमान में झाबुआ जिले के शुभंकर प्रदेश स्तर पर इसकी रचनात्मकता एवं जीवंतता के लिए सराहे जा रहे और जिले की ख्याति में नए रूप में बढ़ावा कर रहे हैं। ज़िला प्रशासन का यह प्रयास आवश्यक रूप से झाबुआ के जन को मतदान की और आकर्षित व प्रेरित करेगा।

चूल देंखने पहुँची भीड़ को नियंत्रित नहीं कर पाई पुलिस , दो पक्ष आपस में भिड़े

चौकी प्रभारी सहित कुछ लोग घायल, पंचायत ने पुलिस से की थी पर्याप्त दल-बल की मांग

माही की गूंज , करवड/पेटलावद

धुलेटी के दिन हमेशा विवाद की स्थिति बनी हुई होती है, अंचल में ग्रामीण बड़ी संख्या में धुलेटी के दिन होने वाले आयोजनों में पहुँचते है जिंसमे कई शरारती तत्व हुड़दंग करने पहुँचते है। जिसकी जानकारी पुलिस और प्रशासन के पास पहले से होती है जिसे नियंत्रित करने के लिए चूल स्थल पर पुलिस बल तैनात किया जाता है। ग्राम करवड़ में प्रति वर्ष धुलेटी के दिन आयोजित चूल कार्यक्रम के दौरान हुड़दंगी वाद-विवाद कर माहौल बिगाड़ने का काम करते है। जिसकी जानकारी होने के बाद ग्राम पंचायत सरपंच विकास गामड़ द्वारा पर्याप्त पुलिस बल की मांग के बाद भी पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम नही किये गए । सोमवार को करवड़ में हो रहे चुल आयोजन के दौरान अचानक दो पक्षों में विवाद हो गया और देखते ही देखते पथराव ओर भगदड़ मच गई। इस दौरान पुलिस वाहन में तोड़फोड़ ओर पुलिस चौकी करवड़ के चौकी प्रभारी सहित कुछ युवकों को चोट आई। जिसमे सरपंच का भाई सूरज गामड़ को भी गम्भीर चोट बीच बचाव के दौरान आई। बताया जा रहा विवाद करने में बहारी युवक शामिल थे और एक मोटरसाइकिल दुर्घटना के बाद से विवाद की स्थिति बनती गई। जिसके बाद विवाद ने बड़ा रुप ले लिया।

मिली जानकारी के अनुसार बतादे की एक युवक को पुलिस ने पकड़ा था जिसको छुड़वाने के लिए पुलिस और पुलिस वाहनों पर पथराव किया गया। फ्लिहाल पुलिस अब इस मामले में शामिल लोगों की धड़पकड़ करने में लगी है। विवाद के बाद मौके पर प्रशासन और पुलिस बल ने पहुँच कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है पुलिस वाहनों के साथ-साथ तहसीलदार के वाहन पर भी पथराव किया गया। पूरे मामले में कही न कही पुलिस प्रशासन की भारी लापरवाही सामने आ रही है। जिनको विवाद की स्थिति की जानकारी पहले से होने ओर सरपंच ओर जनप्रतिनिधियों के द्वारा मांग के बाद भी पर्याप्त पुलिस बल तैनात नही किया।

151 लगाकर निपटाया मामला,जानकारी मांगने पर टीआई का पारा पहुचा सातवे आसमान पर

पुलिस खुद के बचाव की मुद्रा में

मामले में पुलिस ने लगभग 10 लोगो को पकड़ा और उन पर 151 की धारा लगा कर अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी प्रदीप वाल्टर से बात की तो मामले से पल्ला झाड़ते हुए थाना प्रभारी ने चौकाने वाली जानकारी देते हुए बताया कि, इस संबंध में कोई प्रकरण दर्ज नही हुआ है। जबकि पुलिस वाहन में तोड़फोड़ और चौकी प्रभारी तक घायल हुए है। साथ ही एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ जिसका पैर का ऑपरेशन दाहोद गुजरात के हॉस्पिटल में हुआ। थाना प्रभारी का कहना है कि, इतनी भीड़ में किसकी पहचान करे ओर किस पर प्रकरण बनाये तक कि बात कह गए।

बिना पूछे ख़बरे मत छापा करो...

थाना प्रभारी प्रदीप वाल्टर से मामले में दर्ज प्रकरण ओर आरोपियों की जानकारी क्या मांगी साहब का पारा आसमान पर चला गया ओर मीडिया में चल रही खबरों को गलत और मामले को मामूली बताने लगे। यहां तक कि जब उनसे पूछा गया कि, चौकी प्रभारी को चोट कैसे लगी तो, साहब का कहना है कि चौकी प्रभारी से ही पूछ लो। साहब यही नही रुके ओर कहने लगे कि ऐसे आप बिना जानकारी लिए खबरे छापोगे तो आगे से कोई जानकारी नही दूँगा। साहब की बातों से साफ है इस मामले में पुलिस की काफी किरकिरी हुई है और इतनी बड़ी घटना के बाद पुलिस खुद को पाक साफ बताने के लिए कोई प्रकरण तक दर्ज नही कर पाई। उधर घटना में घायल युवक की और से भी रिपोर्ट दर्ज करवाने की जानकारी भी सामने आ रही है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422